सांध्य दैनिक
4PM

पुस्तकें वो साधन हैं जिनके माध्यम से हम विभिन्न संस्कृतियों के बीच पुल का निर्माण कर सकते हैं।
-डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 10 ● अंक: 85 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 29 अप्रैल, 2024

चेन्नई ने चेपॉक पर दर्ज की... 7 | जयपुर से भोपाल तक नेताओं की... 3 | रायबरेली में सक्रिय हुए कांग्रेस... 2

पूर्व पीएम देवगौड़ा के पोते व लोस प्रत्याशी रेवन्ना के यौन उत्पीड़न वीडियो से आया सियासी भूचाल

विपक्ष के निशाने पर आए बीजेपी व पीएम मोदी

कर्नाटक में देश के सबसे बड़े सेक्स स्कैंडल का खुलासा

- कांग्रेस बोली- महिला सशक्तीकरण की बात करने वाले क्यों हैं मौन
- महिलाओं के यौन कृत्यों के लगभग 3,000 वीडियो व पेन ड्राइव मिले
- सीएम सिद्धारमैया ने दिए जांच के आदेश विरोध प्रदर्शन भी जारी
- भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने पहले ही दे दी थी जानकारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। कर्नाटक में बीजेपी-राजग गठबंधन के सहयोगी व पूर्व प्रधानमंत्री व जेडीएस के नेता के एचडी देवगौड़ा के पोते का नाम देश के सबसे बड़े सेक्स स्कैंडल में आने से पूरे सियासी माहौल में उबाल आ गया है। कर्नाटक में देश के सबसे बड़े सेक्स स्कैंडल का खुलासे से बीजेपी व प्रधानमंत्री मोदी के महिला सशक्तीकरण के दावे की पोल भी खुल गई है। इस खबर के आने के बाद से बीजेपी व मोदी पर विपक्ष का चौतरफा हमला भी शुरू हो गया है। विपक्ष ने कहा है कि इस भयावह घटना पर शक्ति (नारी शक्ति) के तथाकथित उपासक मौन हैं। राष्ट्रीय महिला आयोग ने आंख कान बंद कर रखे हैं। उधर विपक्ष प्रदर्शन भी कर रहा है।

दरअसल, पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवगौड़ा के पोते और लोकसभा प्रत्याशी प्रज्ज्वल रेवन्ना की ढाई हजार से ज्यादा सैक्स वीडियो का पता चला है। इनमें दो सौ से ज्यादा विकृत यौन उत्पीड़न के वीडियो हैं। प्रज्ज्वल ने जिन महिलाओं का शोषण किया है उनमें घरेलू कामकाजी महिलाओं से लेकर पार्टी नेता,कार्यकर्ता और हाई प्रोफाइल महिलाएं भी शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक प्रज्ज्वल यौनाचार के वीडियो खुद बनवाता था। एक फरियादिया के सामने आने के बाद मुकदमा दर्ज़ कर लिया गया है। कर्नाटक सरकार ने इसकी जांच के लिए एसआइटी गठित कर दी है। प्रज्ज्वल कर्नाटक की हासन सीट से जेडीएस के टिकिट पर लोकसभा चुनाव लड़ रहा है। जेडीएस और बीजेपी कर्नाटक में मिल कर चुनाव लड़ रहे हैं। जेडीएस एनडीए गठबंधन का हिस्सा है। गत 26 अप्रैल को हासन सीट पर मतदान के बाद अगले ही दिन प्रज्ज्वल जर्मनी भाग गया है। हैरानी की बात ये है कि प्रज्ज्वल को टिकिट देने से पहले ही उसके वीडियो वायरल हो चुके थे। पार्टी की स्थानीय इकाई ने शीर्ष नेतृत्व को आगाह भी किया था। बीजेपी नेतृत्व को भी इस कांड के बारे में जानकारी थी फिर भी उसे लोकसभा का टिकिट दिया गया। प्रज्ज्वल के पिता विधायक हैं और चाचा एच डी कुमारस्वामी कर्नाटक के मुख्यमंत्री रहे हैं।

प्रज्ज्वल ने कहा मेरे साथ साजिश की गई

कांग्रेस के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार ने मामले में एसआईटी जांच के आदेश दिए हैं। इस बीच पता चला है कि रेवन्ना जर्मनी भाग गए हैं। कर्नाटक के हासन से सांसद रेवन्ना इसी सीट से लोकसभा चुनाव जेडीएस के कैंडिडेट हैं, जहां 26 अप्रैल को मतदान हो चुका है। आरोप है कि रेवन्ना एक-दो नहीं, बल्कि सैकड़ों महिलाओं के यौन शोषण में शामिल हैं और उन्होंने इसकी विडियो रेकॉर्डिंग भी की है। इन विडियो में वह नजर आ रहे हैं। हालांकि देश छोड़ने से पहले रेवन्ना ने दावा किया कि यह उनके खिलाफ एक साजिश है। एफआईआर दर्ज होने के बाद सीएम सिद्धरमैया ने जांच के आदेश दिए हैं।

बच्ची से करवाता था मालिश

प्रज्ज्वल के खिलाफ शिकायत में महिला ने बताया, प्रज्ज्वल अन्य कर्मचारियों से मेरी बेटी को तेल की मालिश करने के लिए लाने के लिए कहता था। उसे जबरन कमरे में बंद करके मालिश करता था और अपना प्राइवेट पार्ट छूने को कहता था। प्रज्ज्वल मेरी बेटी को वीडियो कॉल करता था और अश्लील तरीके से बात करता था। मेरी बेटी ने प्रज्ज्वल का नंबर ब्लॉक कर दिया। जब बात मेरी बेटी की आई तो मैंने रेवन्ना के घर की नौकरी छोड़ दी।

महिला ने बयां की आपबीती, बोली- अश्लील हरकतें करता था रेवन्ना

महिला ने पुलिस को बताया कि वह रेवन्ना की पत्नी भवानी की करीबी रिश्तेदार है। उसका भी प्रज्वल ने यौन उत्पीड़न किया है। महिला ने कहा कि उसे रेवन्ना ने 2011 में घरेलू सहायक के रूप में काम करने के लिए बुलाया था। 2015 में, रेवन्ना ने उन्हें होलेनारसीपुर के एक छात्रावास में रसोइये की नौकरी दिलाने में मदद की। वह 2019 में अपने बड़े बेटे की शादी के दौरान रेवन्ना के घर फिर से शामिल हो गईं। महिला ने बताया, घर के 6 अन्य घरेलू सहायक थे। उन्होंने कहा कि वे प्रज्ज्वल से डरते हैं। पुरुष कर्मचारी भी हमें प्रज्ज्वल रेवन्ना से सावधान रहने के लिए कहते थे। जब भी उनकी पत्नी भवानी बाहर होती थी, रेवन्ना बार-बार मुझे अनुचित तरीके से छूते थे, मेरे कपड़े उतार देते थे और मेरा यौन उत्पीड़न करते थे। जब मैं रसोई में काम कर रही होती थी तो प्रज्वल मुझे पीछे से आकर पकड़ लेता था और मेरे साथ अश्लील हरकतें करता था।

> "रविवार को, जद (एस) विधायक शरणगौड़ा कांडकुर ने पार्टी प्रमुख एचडी देवेगौड़ा को पत्र लिखकर प्रज्ज्वल रेवन्ना को निष्कासित करने की अपील की क्योंकि इस मामले से पार्टी को शर्मिंदगी उठानी पड़ी थी। पिछले कुछ दिनों में, यौन कृत्यों को दिखाने वाले वीडियो राज्य भर में प्रसारित किए जा रहे हैं, जिससे पार्टी को भारी शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा है।"

इतनी अश्लीलता कि बयां नहीं कर सकती

नागलक्ष्मी ने कहा, मुझे प्रज्वल के खिलाफ शिकायत के साथ एक पेन ड्राइव मिली। जब मैंने इस पेन ड्राइव को लगाकर वीडियो देखा तो मेरे रोंगटे खड़े हो गए। प्रज्ज्वल अलग-अलग महिलाओं का यौन शोषण करते नजर आ रहा था। वीडिया में महिलाएं खुद को छोड़ने की उससे गुहार लगा रही थीं। ये वीडियो इतने आपत्तिजनक हैं कि मैं इन्हें देख नहीं सकी। मैं शब्दों में बयां भी नहीं कर सकती। आप समझ सकते हैं कि जब मैं उसे देख नहीं पाई, बयां नहीं कर सकती, उस सीन को सोचकर मेरे रोंगटे खड़े होते हैं तो उन महिलाओं पर क्या बीती होगी। मैंने तत्काल सीएम को पूरे प्रकरण से अवगत कराया।

रोंगटे खड़े कर देने वाली हैं हरकतें

महिलाओं ने रेवन्ना से छोड़ने की लगाई गुहार

मामला खुलने के बाद एक-एक करके यौन उत्पीड़न की शिकार महिलाएं भी सामने आने लगी हैं। उनकी आपबीती रोंगटे खड़े कर देने वाली है। पुलिस में दी गई शिकायत में पीड़िताओं के बयान हैं, जो प्रज्वल की हैवानियत बयां कर रहे हैं। कुछ लोग प्रज्जवल की इस हरकत को लेकर उन्हें मानसिक बीमार बता रहे हैं तो कुछ सेक्स अडेक्टिव बता रहे हैं। महिला आयोग ने इस घटना को दुनिया का सबसे बड़ा सेक्स स्कैंडल करार दिया है। बताया जा रहा है कि अधिकांश वीडियो में महिलाएं प्रज्वल से उन्हें छोड़ने की गुहार लगा रही हैं। वह गिड़गिड़ा रही हैं लेकिन वह उनके साथ जबरदस्ती कर रहा है। इतना ही नहीं वह खुद इस यौन शोषण का वीडियो बनाते हुए भी कई क्लिप में नजर आ रहा है। प्रज्ज्वल रेवन्ना के 1 हजार से ज्यादा सेक्स वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हैं। इसी बीच कर्नाटक के होलेनरसीपुरा शहर की एक 47 वर्षीय महिला ने रेवन्ना के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।

रायबरेली में सक्रिय हुए कांग्रेस के बूथ कार्यकर्ता

सीईसी का फैसला आज, प्रियंका को जिताने के लिए जुटेगी स्पेशल टीम

» खरगे के हाथों में फैसला बड़ी जीत की तैयारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायरबेली। कांग्रेस ने अभी रायबरेली व अमेठी में अपने प्रत्याशियों के नाम की घोषणा नहीं की है। दिल्ली में रायबरेली से प्रियंका गांधी व अमेठी से राहुल गांधी को लड़ाने पर चर्चा चल रही है। सूत्रों की माने तो आज फैसला आ सकता है। हालांकि उधर रायबरेली व अमेठी में कांग्रेस कार्यालयों में गतिविधियां तेजी पकड़ने लगी है। गांधी परिवार से जुड़े लोग वहां पर सक्रिय हो गए हैं। दिल्ली से राहुल व प्रियंका की टीम के लोगों ने कमान संभाल ली है।

अगर आज नामों पर मुहर लग जाती है तो इन दोनों सीटों पर मुकाबला कड़ा हो जाएगा ऐसे में कयास लगाया जा रहा है कि भाजपा को इस बार मुश्किल हो सकती है। गौरतलब हो कि प्रियंका गांधी को जिताने के लिए खुद सोनिया गांधी मैदान में उतरने वाली हैं। रायबरेली से मैदान में कौन उतरेगा, इसका फैसला कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के हाथ में है। शनिवार रात को कांग्रेस केंद्रीय कोर कमेटी की बैठक में टिकट फाइनल करने का अधिकारी पार्टी ने उन्हें ही सौंप दिया। चुनाव प्रबंधन के लिए राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी ने जिले में 24 सदस्यों की समन्वय समिति का गठन कर दिया है, जिसमें हर विधानसभा, उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी, ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी, जिला कांग्रेस कमेटी और वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं को शामिल किया गया है। सोनिया गांधी ने रायबरेली के चुनाव को लेकर स्पेशल- 24 समन्वय समिति बना दी है। इसमें सोनिया गांधी के साथ उनके प्रतिनिधि केएल शर्मा, कांग्रेस जिलाध्यक्ष पंकज तिवारी, कांग्रेस नगर अध्यक्ष धीरज श्रीवास्तव, बछरावां से पार्टी के विधानसभा प्रत्याशी रहे सुशील पासी, हरचंदपुर से पूर्व विधायक सुरेंद्र विक्रम सिंह, सदर सीट से चुनाव लड़ चुके डॉ. मनीष सिंह चौहान, सरेनी ने विधानसभा प्रत्याशी रहीं सुधा द्विवेदी, ऊंचाहार से प्रत्याशी रहे अतुल सिंह, बछरावां से विधानसभा प्रत्याशी रहे साहबशरण पासवान, नगर पालिका अध्यक्ष रायबरेली शत्रोहन सोनकर, लालगंज नगर पंचायत अध्यक्ष सरिता गुप्ता, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष रायबरेली मो. इलियास, एआईसीसी के पूर्व सदस्य कल्याण सिंह गांधी, डीडीसी के वरिष्ठ कांग्रेसी नेता वीके शुक्ला को भी जगह मिली है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक महासचिव केसी वेणुगोपाल, डीके शिवकुमार, उत्तर प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय, प्रदेश कांग्रेस महासचिव आराधना मिश्रा चुनाव में महत्वपूर्ण भूमिका रणनीतिकार के रूप में निभाएंगे। वहीं कांग्रेस के मीडिया इंचार्ज विनय द्विवेदी ने बताया कि रायबरेली में कांग्रेस की पूरी तैयारी है। इस बार के चुनाव में जीत की मार्जिन बड़ी होगी। सभी को दिशा निर्देश दिए जा चुके हैं। बूथ से लेकर वार्ड तक पार्टी प्रचार के साथ रणनीति पर काम कर रही है।

बसपा ने अमेठी से उतारा उम्मीदवार

बहुजन समाज पार्टी ने अमेठी संग तीन लोकसभा सीटों पर अपने प्रत्याशियों के नाम की घोषणा कर दी है। अमेठी सीट पर रवि प्रकाश मौर्या को प्रत्याशी बनाया गया है। वह अयोध्या से विधानसभा चुनाव भी लड़ चुके हैं। वहीं आजमगढ़ सीट पर सबीहा अंसारी और संतकबीरनगर सीट पर सैयद दानिश को टिकट दिया गया है। बता दें कि बसपा ने पिछला लोकसभा चुनाव सपा के साथ मिलकर लड़ा था, जिसके बाद रायबरेली और अमेठी सीट कांग्रेस के लिए छोड़ दी गयी थी। हालिया चुनाव में बसपा ने दोनों सीटों पर चुनाव लड़ने का फैसला लिया है। वहीं आजमगढ़ सीट पर बसपा ने अपने अपने पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भीम राजभर को प्रत्याशी बनाया था। बाद में उन्हें सलेमपुर से लड़ाने का फैसला लिया गया था। अब इस सीट पर सबीहा अंसारी चुनाव लड़ेंगी। कांग्रेस अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ की प्रदेश महासचिव रह चुकीं सबीहा को टिकट देकर बसपा ने बड़ा दांव खेला है। यादव-मुस्लिम बाहुल्य इस सीट पर भाजपा के दिनेश यादव निरहुआ और सपा के धर्मेंद्र यादव मैदान में हैं। बता दें कि बसपा अब तक 72 सीटों पर अपने प्रत्याशियों की घोषणा कर चुकी है, जिसमें से 22 मुस्लिम हैं। इसके अलावा 12 ब्राह्मण, 7 क्षत्रिय और 4 यादवों को भी टिकट दिया गया है। वहीं 14 सुरक्षित सीटों पर भी प्रत्याशी घोषित किए जा चुके हैं। अन्य सीटों पर पार्टी ने ओबीसी प्रत्याशी उतारे हैं।

नीला पटका पहनकर आने वाले बहुरूपियों से सावधान रहें : आकाश

» बोले- विरोधी दलों के चमचे समाज को तोड़ने के लिए भेजे गए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सीतापुर। बसपा के राष्ट्रीय समन्वयक आकाश आनंद ने कहा कि दुश्मन आपको हर तरह से गुमराह करने का काम करेगा। आज दुश्मन उतना मजबूत नहीं है, जितना पहले था। इसलिए सामने से वार नहीं करेगा। बहरुपिया बनकर आपके बीच आएगा। अब इन बहरुपियों को मुंहतोड़ जवाब देने का समय आ गया है। जूता मारकर उनको उनकी औकात दिखाने का समय आ गया है। शहर के राजा कॉलेज मैदान पर बसपा प्रत्याशियों के समर्थन में आयोजित सभा में आकाश ने कहा कि वह नीला पटका पहनकर आने वाले बहुरुपियों से सावधान रहें।

वे विरोधी दलों के चमचे हैं, जो समाज को तोड़ने के लिए भेजे गए हैं। विपक्षी दल ऐसे चमचों को फंड देकर आपको गुमराह कराता है। आकाश आनंद ने अपने 45 मिनट के संबोधन में भाजपा, सपा और कांग्रेस के साथ नाम लिए बिना चंद्रशेखर आजाद पर भी निशाना साधा। कहा कि विरोधी दल बहुजन मूवमेंट को तबाह करने के लिए साम-दाम, दंड-भेद अपना रहे हैं। इसके लिए बहुरुपिए भेज रहे हैं, जो नीला पटका पहनकर वोट मांगने आ रहे हैं। उन्हें पहचानिए। ये सपा, कांग्रेस, भाजपा के चमचे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा नौकरियों में आरक्षण खत्म कर रही है। यह बहुजन समाज के बच्चों को पढ़ने नहीं देंगे। जब पढ़ेंगे नहीं तो नौकरी में कैसे आएंगे और आरक्षण कैसे पाएंगे।

भड़काऊ भाषण देने पर आकाश और तीन प्रत्याशियों पर केस

सीतापुर शहर के राजा कॉलेज मैदान पर हुई जनसभा में भड़काऊ भाषण देने के आरोप में बसपा के राष्ट्रीय समन्वयक आकाश आनंद, तीन प्रत्याशियों सहित 30 अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है। पुलिस वीडियो के आधार पर और नाम बढ़ाने की तैयारी भी कर रही है। शहर के राजा कॉलेज मैदान पर बसपा की एक चुनावी जनसभा हुई। इसमें पार्टी के राष्ट्रीय समन्वयक आकाश आनंद मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए।

पार्टी छोड़ कहीं भी नहीं जाऊंगा : अरविंद सिंह

» इस्तीफे के बाद बोले- अभी कार्यकर्ताओं से बात करूंगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने के बाद अरविंद सिंह लवली ने कहा कि मैंने सिर्फ अध्यक्ष पद छोड़ा है। अभी पार्टी नहीं छोड़ी है। किसी पार्टी में शामिल नहीं हूंगा। साथ ही कहा कि पीड़ा के चलते अध्यक्ष पद छोड़ा है। अभी कार्यकर्ताओं से बात करूंगा। टिकट को लेकर इस्तीफे की बात गलत है। उनके साथ कांग्रेस नेता राजकुमार चौहान एवं नसीब सिंह भी मौजूद रहे।

बता दें कि आज ही लवली ने अध्यक्ष पद से इस्तीफा दिया है। वह कई दिन से प्रदेश कार्यालय नहीं आ रहे थे। वह उत्तर पश्चिमी दिल्ली से राजकुमार चौहान को टिकट नहीं मिलने से नाराज थे। लवली ने मल्लिकार्जुन खरगे को चिट्ठी लिखकर इस्तीफा भेजा है। जिसमें उन्होंने अपनी नाराजगी की वजह बताई है।

बीजेपी में सभी का स्वागत : सचदेवा

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कांग्रेस पर हमला बोला है। सचदेवा ने कहा कि देश विरोधी गतिविधियों में शामिल रहे लोगों को टिकट देने का विरोध कांग्रेस में अंदर से ही हो रहा है, इसलिए लवली ने इस्तीफा दिया है। राजकुमार चौहान और अरविंदर सिंह लवली के इस्तीफे की भाषा एक है। उन्होंने कहा कि पहले तो भ्रष्टाचारी आम आदमी पार्टी के साथ जाना, फिर दूसरा मुद्दा देश विरोधी ताकतों के साथ रहने वाले और कन्हैया कुमार को टिकट देना। कांग्रेस नेता अरविंदर सिंह लवली और राजकुमार चौहान के भाजपा में आने के सवाल पर वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि हमारी पार्टी में सभी का स्वागत है। वह चुनाव के बाद कांग्रेस में वापस न चले जाएं, इस सवाल पर उन्होंने कहा कि जब नई बहू आती है तो उसका स्वागत किया जाता है, लेकिन उसे भी अपना आचरण सुधारना पड़ता है।

लवली ने पार्टी से त्यागपत्र देने के गिनाए 10 कारण

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अरविंदर सिंह ने कांग्रेस आलाकमान को भेजे त्यागपत्र में 10 कारण गिनाए हैं। इनमें उन्होंने सबसे अधिक प्रदेश प्रभारी दीपक बाबरिया पर निशाना साधा है। उनके व्यवहार को ही उन्होंने त्यागपत्र देने का मुख्य कारण बताया। वहीं बाबरिया ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि लवली का इस्तीफा ऐसे समय आया जब देश में चुनाव चल रहे हैं, लेकिन उन्होंने कहा कि इसका कांग्रेस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा, जबकि आम आदमी पार्टी ने इसे अपने सहयोगी दल का आंतरिक मामला बताया।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

दिल्ली के सीएम को कोई झुका नहीं सकता : सुनीता केजरीवाल

» निकाला दूसरा रोड शो जुटी भीड़

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने पश्चिमी दिल्ली में रोड शो किया। इसमें पार्टी प्रत्याशी महाबल मिश्रा सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल हुए। इस दौरान सुनीता ने कहा कि केजरीवाल शेर हैं, उन्हें कोई झुका और तोड़ नहीं सकता। उन्होंने पूछा कि क्या केजरीवाल ने आपको एक हजार रुपए देने का एलान कर कोई गुनाह किया है, अगर नहीं तो वोट से अपना जवाब जरूर देना।

भाजपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि केजरीवाल को एक महीने से जेल में डाल रखा है। अभी तक किसी कोर्ट ने उन्हें दोषी नहीं माना है। ये लोग कह रहे हैं कि जांच चल रही है। अगर यह जांच 10 साल चलेगी तो ये लोग केजरीवाल को 10 साल तक जेल में रखेंगे। वे 22 साल से शुगर से पीड़ित हैं और 12 साल से 50 यूनिट रोजाना इंसुलिन ले रहे हैं। जेल में उनकी इंसुलिन बंद कर दी। इससे शुगर लेवल 300 के ऊपर पहुंच गया। केजरीवाल को इंसुलिन दिलाने के लिए हमें कोर्ट में जाना पड़ा। दिल्ली की जनता केजरीवाल से बहुत प्यार करती है। केजरीवाल ने दिल्लीवालों के बच्चों के लिए स्कूल बनवाए। मोहल्ला क्लीनिक और अस्पताल बनवाए। वहीं, प्रत्याशी महाबल मिश्रा ने कहा कि भाजपा ने गलत तरीके से केजरीवाल को जेल में डाल दिया है, ताकि वे प्रचार नहीं कर सकें। रोड शो में कुछ समर्थकों ने सुनीता केजरीवाल को गदा भी भेंट की।

जयपुर से भोपाल तक नेताओं की बढ़ी धुकधुकी

बीजेपी या कांग्रेस, ईवीएम में बंद हुआ भाग्य

दो चरणों में हो चुका मतदान, जनता के हाथ में कमान

» महिलाएं भी होंगी निर्णायक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर भारत के दो महत्वपूर्ण राज्य मध्य प्रदेश व राजस्थान में दो चरणों में हुए मतदान के दौरान कइ सीटों पर आशा के अनुरुप कम प्रतिशत में वोटिंग हुई। अब चुनाव परिणाम के बाद ही पता चलेगा कि ये कम टर्नआउट किस ओर गया है। उधर मप्र में भोपाल सीट पर सबकी नजर लगी हुई है। वहां पिछले चुनाव में बीजेपी ने बाजी मारी थी। इस बार प्रत्याशी भी बदल दिया है। सियासी गलियारें में ऐसी चर्चा है कि इसबार बीजेपी के लिए वहां की राह आसान नहीं होगी। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में लोगों के बीच अलग-अलग राय बन रही है। कुछ लोग बीजेपी की वापसी की बात कर रहे तो कुछ लोग कह रहे इसबार बदलाव हो रहा है।

कई बीजेपी समर्थकों ने कहा कि देश में मोदी सरकार बननी चाहिए। लोगों ने हमें बताया कि केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ पूरी पारदर्शिता के साथ सभी को मिल रहा है। लोगों ने बताया कि सड़कें यहां की अब बहुत अच्छी हो गयी हैं और बिजली भी पूरे समय आती है। लोगों ने बताया कि यदि बिजली आधे घंटे से ज्यादा कभी चली जाये तो शिकायत करने पर तुरंत कार्रवाई होती है जबकि पहले दो-दो दिन तक कोई सुनवाई नहीं होती थी। वहीं कुछ लोग यह भी कहते नजर आए कि सत्ता में बदलाव होते रहना चाहिए नहीं तो तानाशाही बढ़ती है जनता का शोषण शुरू हो जाता है जो लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाता है।

जनता के मन की बात जानने के क्रम में जब हमने महिलाओं से बात की तो उन्होंने कहा कि भोपाल एक सुरक्षित शहर है और शाम को या रात को बाहर निकलने पर असुरक्षा का भाव नहीं रहता क्योंकि हर जगह पुलिस तैनात रहती है। महिलाओं ने कहा कि हमारी बच्चियां सुरक्षित वातावरण में स्कूल, कॉलेज जाती हैं या काम पर जाती हैं और हमें किसी बात की चिंता नहीं रहती। महिलाओं ने कहा कि राज्य की भाजपा सरकार ने महिलाओं के लिए तमाम योजनाएं चला रखी हैं और उनके तहत मिलने वाली आर्थिक मदद बिना किसी भेदभाव के हर धर्म और जाति की महिलाओं को मिल रही है जोकि एक बड़ा कदम है क्योंकि इससे पहले अपने हक का पैसा लेने के लिए तमाम बार चक्कर काटने पड़ते थे और रिश्वत भी देनी पड़ती थी लेकिन अब सब कुछ ईमानदारी से चल रहा है। कुछ महिलाएं कांग्रेस की सरकार के आने की भी बात कर रही हैं।

आलोक व अरुण में कड़ा मुकाबला

भोपाल में भाजपा ने शहर के पूर्व महापौर आलोक शर्मा को अपना उम्मीदवार बनाया है तो कांग्रेस ने वरिष्ठ अधिवक्ता अरुण श्रीवास्तव को चुनाव मैदान में उतारा है। इन दोनों दलों के प्रत्याशियों के अलावा लगभग दर्जन भर और प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। उल्लेखनीय है कि भाजपा ने भोपाल की निर्वमान सांसद प्रज्ञा ठाकुर का टिकट काट कर आलोक शर्मा को टिकट थमाया है। भोपाल में 30 वर्षों से ज्यादा समय से भाजपा ही जीतती रही है इसलिए पार्टी इस बार भी इस सीट पर जीत के प्रति पूरी तरह आशान्वित है। भोपाल में हिंदुत्व, राम मंदिर और विकास सबसे बड़े मुद्दे दिखे। इस सबसे भी बढ़कर प्रधानमंत्री मोदी का नाम हमें सबसे बड़ा मुद्दा नजर आया क्योंकि हमें कई ऐसे लोग भी मिले जिनका कहना था कि हम नहीं जानते कि मध्य प्रदेश का मुख्यमंत्री या मंत्री कौन है, हम तो सिर्फ इतना जानते हैं कि देश का प्रधानमंत्री कौन है और हम उन्हीं के नाम पर वोट देने जा रहे हैं।

53,128 मतदान केन्द्रों पर वोट डाले गए

प्रदेशभर में 53,128 मतदान केन्द्रों पर वोट डाले गए, जिसमें से 27,140 बूथों पर मतदान प्रक्रिया की लाइव वेबकास्टिंग करवाई गई है। दूसरे चरण में मतदान वाले क्षेत्रों में 14,460 बूथों की मतदान प्रक्रिया की लाइव वेबकास्टिंग की गई थी। प्रदेशभर में बुजुर्गों और दिव्यांगों के लिए 30,591 पोलिंग बूथ लोकेशन पर 31,242 व्हीलचेयर उपलब्ध रही। होम वोटिंग में रिकॉर्ड 98.39 प्रतिशत मतदान हुआ। 2.24 लाख कार्मिकों ने पोस्टल बैलेट से वोट किया है। दोनों चरणों में 32,604 मतदाताओं ने मतदान करने के बाद सेल्फी ली और सीईओ राजस्थान की वेबसाइट पर अपलोड कर डिजिटल सर्टिफिकेट लिया है। प्रदेश में 3,28,515 अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा मतदान करवाया गया। आचार संहिता उल्लंघन की 3,503 शिकायतें निस्तारित की गई है।

कुल 266 प्रत्याशी और 5.35 करोड़ मतदाता

राजस्थान में लोकसभा चुनाव 2024 के लिए प्रदेशभर में 5,35,08,010 मतदाता पंजीकृत हैं. प्रदेश के सभी 25 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों के लिए कुल 266 प्रत्याशी हैं जिनमें से 247 पुरुष और 19 महिलाएं हैं.

65 साल में कांग्रेस ने कुछ नहीं किया : सिंधिया

कांग्रेस ने 65 साल में कुछ नहीं किया। वहीं, मोदी ने 10 ही साल में देश की केंद्रीय मंत्री और गुना-शिवपुरी संसदीय क्षेत्र से बीजेपी प्रत्याशी ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा है कि हर सुख-दुख में सिंधिया परिवार इस क्षेत्र की जनता के साथ हमेशा खड़ा रहा है और आगे भी खड़ा रहेगा। चाहे कोरोना काल हो या ओलावृष्टि का समय, हर समय सिंधिया परिवार का मुखिया होने के नाते वह दुख-सुख की इस घड़ी में क्षेत्र की जनता के साथ रहे हैं और आगे भी वह साथ रहेंगे। सिंधिया ने यह बातें शिवपुरी विधानसभा क्षेत्र के रायश्री में ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कही। ग्राम रायश्री में आयोजित सभा के दौरान सिंधिया ने कहा, क्षेत्र की जनता से उनके पारिवारिक संबंध हैं। वह इस क्षेत्र में दिमाग से नहीं दिल से और हृदय से काम करते हैं। सिंधिया परिवार की सोच रही है कि इस क्षेत्र की जनता के साथ सिंधिया परिवार के मुखिया के नाते वह कंधे से कंधा मिलाकर क्षेत्र की जनता के लिए काम करें और विकास के पथ पर इस क्षेत्र को ले जाएं।

शाह को लगता है मुझसे अपार स्नेह है : दिग्विजय

कांग्रेस प्रत्याशी दिग्विजय सिंह ने कहा कि अमित शाह जी ने अपने भाषण में 17 बार मेरा नाम लिया। यह उनका मेरे प्रति जो अपार प्रेम है वह दर्शाता है। लेकिन, जो झूठ बोलने के संस्कार उनके गुरु (पीएम मोदी) ने उन्हें दिये हैं वे उनके भाषण में 8 बार नजर आए। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बीते दिन शुक्रवार को राजगढ़ जिले के खिलचीपुर में जनसभा

को संबोधित किया। भाजपा प्रत्याशी रोडमल नागर के समर्थन में सभा करते हुए शाह ने मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस प्रत्याशी दिग्विजय सिंह पर जमकर हमला बोला। अब दिग्विजय सिंह ने शाह पर पलटवार किया है। कांग्रेस प्रत्याशी सिंह ने एक्स कर लिखा- अमित शाह जी ने अपने भाषण में 17 बार मेरा नाम लिया। यह उनका मेरे प्रति जो अपार प्रेम है वह दर्शाता है। मैं उनका आभारी हूं, लेकिन जो झूठ बोलने के संस्कार उनके गुरु (पीएम नरेंद्र मोदी) ने उन्हें दिये हैं वह उनके भाषण में 8 बार नजर आए।

राजस्थान में मतदान? किसको मिलेगा सम्मान

राजस्थान की सभी 25 लोकसभा सीटों के लिए मतदान हो चुका है। इस बार साल 2019 की तुलना में मतदान कम हुआ है। लेकिन पहले चरण की तुलना में दूसरे चरण में अधिक मतदान हुआ है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि दूसरे चरण में 13 लोकसभा क्षेत्रों में 64.6 प्रतिशत मतदान हुआ है. इसमें पोस्टल बैलेट के माध्यम से किया गया 0.49 प्रतिशत मतदान भी शामिल है. प्रदेश के सभी लोकसभा क्षेत्रों में 4 जून को मतगणना होगी। श्रीगंगानगर सीट पर वर्ष 2019 में 74.77 तो 2024 में 67.21 प्रतिशत, बीकानेर में 59.43 तो 54.57 प्रतिशत, चूरू में 65.90 तो 64.22 प्रतिशत, झुंझुनूं में 62.11 तो 53.63 प्रतिशत, सीकर में 65.18 की जगह 58.43 प्रतिशत, जयपुर ग्रामीण में 65.54 की जगह 57.65 प्रतिशत, जयपुर में 68.48 की जगह 63.99, अलवर में 67.17 की जगह 60.61 प्रतिशत, भरतपुर में 59.11 की जगह 53.43 प्रतिशत, करौली-धौलपुर में 55.18 की जगह 50.02 प्रतिशत, दौसा में 61.50 की जगह 56.39 प्रतिशत, नागौर में 62.32 की जगह 57.60 प्रतिशत, टोंक-सवाई माधोपुर में 63.44 की जगह 56.55 प्रतिशत, अजमेर 67.32 की जगह 59.22 प्रतिशत, पाली में 62.98 की जगह 56.8 प्रतिशत मतदान हुआ। वहीं जोधपुर में 68.89 की जगह 63.3 प्रतिशत, बाड़मेर में 73.3 की जगह 73.68 प्रतिशत, जालोर में 65.74 की जगह 62.28 प्रतिशत, उदयपुर में 70.32 की जगह 64.01 प्रतिशत, बांसवाड़ा में 72.9 की जगह 72.24 प्रतिशत, चित्तौड़गढ़ में 72.39 की जगह 67.83 प्रतिशत, राजसमंद में 64.87 की जगह 58.01 प्रतिशत, भीलवाड़ा में 65.64 की जगह 60.1 प्रतिशत, कोटा में 70.22 की जगह 70.82 प्रतिशत और झालावाड़-बारां में 71.96 की जगह 68.72 प्रतिशत वोटिंग हुई।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा बढ़ने से चढ़े गर्मी के तेवर!

पेरिस के वैज्ञानिकों ने जलवायु परिवर्तन से जुड़े मामलों पर शोध किया जिसमे मौसम में बदलाव का कारण जलवायु परिवर्तन भी है। पिछले कुछ सालों में वर्ल्ड वेदर एट्रिब्यूशन नेटवर्क के साथ मिलकर भारत में गर्मीलहरों पर तीन अध्ययन किए हैं (2016, 2022 और 2023)। साल 2022 में मार्च से अप्रैल के अंत तक भारत में एक बहुत बड़ी गर्मीलहर देखी गई, जिसमें तापमान सामान्य से काफी ज्यादा था।

धीरे-धीरे अप्रैल का महीना खत्म हो रहा है। इस महीने के खत्म होते ही चुभती गर्मी का मौसम शुरू हो जाएगा। अप्रैल के आखिर तक पारा 40 डिग्री के पार जा सकता है। हीटवेव का कहर पूरे भारत को अपनी चपेट में ले लेगा। भारत में हीटवेव का मुख्य कारण क्या है? हीटवेव और एयर पलूशन के बीच क्या नाता है? हीट वेव आमतौर पर मार्च से जून के दौरान उत्तर पश्चिमी भारत, मध्य, पूर्व और उत्तर प्रायद्वीपीय भारत के मैदानी इलाकों में महसूस होती है। इसमें पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र और कर्नाटक के कुछ हिस्से, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना शामिल हैं। पेरिस के वैज्ञानिकों ने जलवायु परिवर्तन से जुड़े मामलों पर शोध किया जिसमे मौसम में बदलाव का कारण जलवायु परिवर्तन भी है। पिछले कुछ सालों में वर्ल्ड वेदर एट्रिब्यूशन नेटवर्क के साथ मिलकर भारत में गर्मीलहरों पर तीन अध्ययन किए हैं (2016, 2022 और 2023)। साल 2022 में मार्च से अप्रैल के अंत तक भारत में एक बहुत बड़ी गर्मीलहर देखी गई, जिसमें तापमान सामान्य से काफी ज्यादा था।

उसमे ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा बढ़ने के कारण ऐसी परिस्थितियाँ अब और ज्यादा बार-बार हो रहीं हैं। पिछले साल अप्रैल में, खासकर पूर्वी भारत के तटीय इलाकों में बहुत उमस भरी गर्मी पड़ी थी। इससे शरीर की गर्मी सहन करने की क्षमता (हीट स्ट्रेस इंडेक्स) बहुत ज्यादा बढ़ गई थी, जो खतरनाक सीमा को पार कर चुकी थी। अध्ययन के अनुसार, जलवायु परिवर्तन न होने पर ऐसी घटनाओं की संभावना 30 गुना कम होती। यूरोप में भी तापमान बहुत तेजी से बढ़ रहा है, वहां तो शायद ही कोई इसे नकारता है। भारत में भी पिछले कुछ समय में औसत तापमान लगभग दो डिग्री सेल्सियस बढ़ चुका है। वैज्ञानिक राजनीति से नहीं, बल्कि सच्चाई से प्रेरित होते हैं। आधुनिक तकनीक, आंकड़ों के विश्लेषण और प्रत्यक्ष निरीक्षणों की मदद से जलवायु परिवर्तन और गर्मीलहरों के बीच संबंध स्थापित कर पाए हैं। इसके लिए हम हीटवेव के आंकड़ों की तुलना जलवायु मॉडल से करते हैं। ये मॉडल अतीत के आंकड़ों पर आधारित होते हैं, और कुछ ऐसे भी होते हैं जो अतीत के आंकड़ों को शामिल नहीं करते। इस तुलना से हम ट्रेंड और आंकड़ों में अंतर देख पाते हैं। सरल भाषा में कहें तो, हम हीटवेव के दो समूहों की तुलना करते हैं - एक जलवायु परिवर्तन के साथ और दूसरा बिना इसके। यह वही तरीका है जिसका इस्तेमाल महामारी विज्ञान आदि में भी किया जाता है। इन अध्ययनों से यही निष्कर्ष निकलता है कि भारत पहले से ही गर्म देश रहा है, खासकर मानसून से पहले। अब जंगलों को बचाने की जरूरत है।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

घटते वोटिंग प्रतिशत को बढ़ाना मुश्किल नहीं

रंजना ध्रुव प्रकाश

पत्रकार

दो चरणों में हुए वोटिंग में कम टर्न आउट को लेकर चुनाव आयोग से लेकर बड़े-बड़े राजनीतिक विशेषज्ञों तक के माथे पर बल ला दिया है। अब चारों ओर यही चर्चा हो रही है कि लोकतंत्र के सबसे बड़े चुनाव पर्व में आखिर वोट का प्रतिशत क्यों हो रहा कम?। सभी को पता है लोकतंत्र का महत्वपूर्ण पर्व है चुनाव इसे मनाना आवश्यक भी है। अब अगर चनावों में वोटिंग प्रतिशत कम होगा तो इसका प्रभाव राजनैतिक दलों पर पड़ना स्वावभाविक है।

इन्ही सब बातों को लेकर चर्चा हो रही है कि आखिर राजनैतिक दलों द्वारा चुनावी प्रचार से वोटिंग प्रतिशत में क्या प्रभाव पड़ता है ? वोटिंग नागरिक समाज के लिए एक महत्वपूर्ण कार्य है जो लोकतंत्र की सुरक्षा और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। चुनाव प्रक्रिया में सहजता लाने से वोटिंग प्रतिशत में बढ़ोतरी हो सकती है। राजनैतिक दलों द्वारा चुनाव के प्रचार से सीधा असर वोटिंग प्रतिशत पर नही पड़ता।

भारत में अभी लोकसभा का चुनाव चल रहा है लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण में 13 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की कुल 88 सीटों पर वोटिंग खत्म हो चुकी है दूसरे चरण में करीब-करीब पहले फेज जैसा ही हाल रहा दूसरे चरण में 63.50 फीसदी वोटिंग हुई। जो कि 2019 के लोकसभा चुनाव के मुकाबले इस बार 2024 लोकसभा चुनाव के प्रतिशत में गिरावट रही। वोटिंग प्रतिशत में गिरावट के कई कारण हो सकते हैं, यह समस्या क्षेत्र के आधार पर भिन्न हो सकती है, लेकिन कुछ मुख्य कारण यह हो सकते हैं।

विश्वास की कमी : लोगों में सामाजिक, आर्थिक या राजनीतिक संस्कृतियों की कमी आती है जिससे वे चुनाव प्रक्रिया में हिस्सा लेने के प्रति असंवेदनशील हो जाते हैं।

असहमति की भावना : कुछ लोग समाज में निरंतर विवादों और आपसी विरोध के कारण चुनाव प्रक्रिया में सहभागिता की भावना खो देते हैं।

निराशा: नागरिक विशेषज्ञता में कमी, भ्रष्टाचार, या शासन की नकारात्मकता के खिलाफ निराशा और उदासीनता उत्पन्न हो सकती है, जिससे लोग चुनाव में भाग नहीं लेना चाहते।

पोलिंग निर्देशों की कमी : कई बार, नागरिकों को मतदान केंद्रों की जटिलता या लंबी कतारों के कारण चुनाव प्रक्रिया में हिस्सा नहीं लेने का पता चलता है।

जातिवाद और असमानता : कुछ समुदायों को वोट करने का अधिकार या उनकी आवाज को समझने की कमी के कारण वे चुनाव प्रक्रिया में शामिल नहीं होते हैं।

वोटर अपाथ्य : कुछ लोग समाजिक, आर्थिक, या राजनीतिक कारणों से वोटिंग प्रक्रिया में शामिल होने से विरत हो जाते हैं।

मौसम: एक कारण मौसम भी हो सकता है जिसे नजर अंदाज नही किया जा सकता।

पोलिंग असुविधा: कुछ लोगों को मतदान केंद्रों तक पहुँचने में कठिनाई हो सकती है, विशेष रूप से गाँवों और अनुप्रांतों में।

इन समस्याओं का समाधान करने के लिए सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान, नागरिकों को शिक्षित करना और चुनाव प्रक्रिया में सहजता लाने के लिए उपायों की आवश्यकता है।

राजनीतिक सक्रियता : वोटिंग करने से हम राजनीतिक प्रक्रि या में सक्रि य होते हैं और अपनी आवाज का उपयोग करते हैं।

प्रभाव : हर वोट का महत्व होता है, क्योंकि यह समाज के नेताओं और नीतियों पर सीधा प्रभाव डालता है।

अधिकार: वोटिंग हमारा एक अधिकार है जो हमें राजनीतिक प्रक्रिया में भाग लेने का अधिकार देता है।

संविधानिक दायित्व : वोटिंग हमारा संविधानिक दायित्व है और एक स्वतंत्र देश में नागरिकों के लिए महत्वपूर्ण है। इन सभी कारणों से, वोटिंग नागरिक समाज के लिए एक महत्वपूर्ण कार्य है जो लोकतंत्र की सुरक्षा और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

राजनैतिक दलों द्वारा चुनाव के प्रचार से सीधा असर वोटिंग प्रतिशत पर राजनैतिक दलों के रोड शो रैली का वोटिंग प्रतिशत पर सीधा प्रभाव होना आमतौर पर मुश्किल है। वोटिंग प्रतिशत कम होने के कई कारण हो सकते हैं, जैसे कि असामाजिक जातिवाद, आर्थिक समस्याएं, और वोटर अपाथ्य। हालांकि, रोड शो रैली एक माध्यम हो सकता है जिसके माध्यम से राजनीतिक दल अपनी नीतियों और कार्यक्षेत्र के बारे में लोगों को जानकारी दे सकते हैं, और लोगों को उनके विकास के योजनाओं के बारे में संवाद कर सकते हैं। इससे लोगों का आकर्षण बढ़ सकता है, लेकिन वोटिंग प्रतिशत पर सीधा प्रभाव होना समय की लंबी प्रक्रिया है और इसमें कई कारक शामिल होते हैं।

रिसाइकिलिंग को लेकर जागरूकता से ही समाधान

ज्ञानेन्द्र रावत

दिल्ली में गाजीपुर लैंडफिल स्थित कचरे के पहाड़ पर लगी आग फिलहाल बुझा दी गयी है। लेकिन अभी भी 40-50 छोटी-मोटी जगहों पर आग की लपटें बची हुई हैं। इसके धुएं से आसपास के हसनपुर, गाजीपुर, खोड़ा, चिल्ला गांव और मयूर विहार जैसे इलाकों में रहने वाले लोग आंखों में जलन व सांस लेने में दिक्कत महसूस कर रहे हैं। वहीं इस कचरे की दुर्गंध तो बरसों से उनकी नियति बन चुकी है। जो लोग दिल के मरीज हैं, परेशानी के चलते घर छोड़कर रिश्तेदारों के यहां चले गये हैं। आजकल चुनावी माहौल में राजधानी दिल्ली वायु प्रदूषण की मार सह रही है वहीं कूड़े के पहाड़ का मसला चर्चा का विषय बना हुआ है। अभी तक आग के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस और एफएसएल की टीमें जांच कार्य में जुटी हैं।

वहीं लैंडफिल साइट के प्रबंधन को लेकर दिल्ली नगर निगम की नीति पर लोगों ने सवाल जरूर खड़े किये हैं। उनका कहना है कि कचरे के पहाड़ पर आग हर महीने लगती रहती है लेकिन इसको नियंत्रित करने के कोई भी पुख्ता कदम नहीं उठाये जा रहे हैं। हालांकि बीस सालों से कूड़े का पहाड़ खत्म करने के दावे किये जा रहे हैं लेकिन मसला जस का तस है। खमियाजा यहां रहने वाले लोगों को उठाना पड़ रहा है। इसका खातमा न हो पाने के पीछे कचरे का धीमी गति से उठान है। कूड़े के पहाड़ के मामले में अभी तक दिल्ली और मुंबई महानगर सबसे ज्यादा चर्चित थे लेकिन अब गुरुग्राम ने भी इस सूची में नाम दर्ज करा लिया है। यहां बंधवाड़ी लैंडफिल साइट पर रोजाना फरीदाबाद और गुरुग्राम का 2300 टन कचरा पहुंच रहा है जहां तकरीबन 16 लाख टन कूड़ा पड़ा है। बीते 24 दिनों में यहां 13 बार आग लगने की घटनाएं हुईं। गत 23 अप्रैल की सुबह जो आग लगी उसके कई किलोमीटर तक फैले धुएं के चलते लोग आंखों में जलन से परेशान थे। लैंडफिल साइट के आसपास लोगों का रहना मुश्किल होता जा रहा है। यहां रहने वाले लोग बरसों से दिल, सांस, गले में खराश, दिमाग में सूजन आदि रोगों से परेशान हैं।

खासतौर पर बच्चों, गर्भवती महिलाओं, हृदय और सांस के रोगियों के लिए यह स्थिति जानलेवा है। कचरे के पहाड़ पर लगी आग से वातावरण में घुल रहे धुएं पर उपराज्यपाल, दिल्ली के पर्यावरण मंत्री और सुप्रीम कोर्ट तक ने संज्ञान लिया। निगमायुक्त, प्रमुख सचिव व दिल्ली सरकार से जबाव मांगा गया है। सुप्रीम कोर्ट ने इस बाबत अपनी टिप्पणी में कहा कि यह आश्चर्यजनक है कि राजधानी में प्रतिदिन निकलने वाले 11,000 टन ठोस कचरे में से 3,000 टन का कानून के तहत उचित तरीके से निपटान नहीं किया जाता है। खंडपीठ ने इसे स्तब्ध करने वाली बात कहा है कि ठोस कचरा प्रबंधन नियम 2016 को लागू हुए आठ साल हो गये हैं लेकिन दिल्ली में इसका कोई पालन नहीं हो रहा है। यदि पूरे देश के हालात का जायजा लें तो देश में हर साल 277 अरब किलो कचरा निकलता है। इसमें से केवल 70 फीसदी ही इकट्ठा किया जाता है। बाकी जमीन और पानी में फैला रहता है। इकट्ठा किये कचरे में से आधा या तो खुले में फेंक दिया जाता है या उसे जमीन में दबा दिया जाता है।

देश में निकलने वाला कचरा इंडस्ट्रियल और म्युनिसिपल दो तरह का होता है। इंडस्ट्रियल कचरे के निपटान की जिम्मेदारी उद्योगों और म्युनिसिपल कचरे के निपटान की जिम्मेदारी स्थानीय प्रशासन की होती है। देश में कुल कचरे में से सिर्फ 5वें हिस्से की रिसाइकिलिंग हो पाती है। जिस तरह कचरे की रिसाइकिलिंग होती है उससे न केवल पर्यावरण को नुकसान होता है बल्कि लोगों के स्वास्थ्य पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है। भारत में सबसे बड़े महानगर मुंबई और दिल्ली में खुले में कचरा फेंका जाता है। खुले में फेंके कचरे में भारी मात्रा में निकल, जिंक, आर्सेनिक, कांच, क्रोमियम और दूसरी जहरीली धातुएं होती हैं। देश में सालाना जितनी जहरीली मिथेन उत्सर्जित होती है, उसमें से 20 फीसदी सिर्फ इन कचरे के ढेरों से निकलती हैं। वैसे आने वाले दिनों में विकास की रफ्तार और बढ़ेगी, तब ज्यादा तेज विकास के साथ कई गुणा कचरा बढ़ेगा। लेकिन सवाल है क्या हम उस स्थिति के लिए तैयार हैं।

यदि अहमदाबाद, सूरत, नवी मुंबई, मैसूर और इंदौर की ही बात करें तो इन्होंने कचरा-संग्रह और उसके निपटान व स्वच्छता में एक विशिष्ट पहचान बनायी है। लेकिन क्या हमने इससे कुछ सीख ली है। ऐसी स्थिति में दिल्ली ही क्या, देश के हर शहर-कस्बे में कचरे के पहाड़ तेजी से बनेंगे। वे सुलगेंगे और लोगों की अनचाही मौत के कारण बनेंगे। उस दशा में आईपीसीसी की रिपोर्ट सही साबित हो जायेगी कि अगर यही रफ्तार रही तो 2050 में 3.4 गीगाटन कूड़ा-कचरा होगा जिसका निस्तारण हमारे सामर्थ्य से बाहर होगा। असल में, कचरा प्रबंधन के मामले में हम दूसरे देशों के मुकाबले बहुत पीछे हैं। वह चाहे इंडस्ट्रियल कचरा हो या म्युनिसिपल। ऐसी स्थिति में तो और विषम हालात हो जायेंगे जबकि वर्ल्ड बैंक के अनुसार 2030 में भारत में हर साल निकलने वाला कूड़ा-कचरा 388 अरब किलो हो जायेगा। इसलिए जरूरी है कि लोगों को घरों में ही अलग-अलग डस्टबिन में कूड़ा-कचरा रखने के बारे में जागरूक किया जाये जिससे रिसाइकिलिंग में आसानी हो सके।

ब्लड प्रेशर में फायदेमंद

बड़ी इलायची दिल के मरीजो के लिए काफी फायदेमंद हैं। इससे ब्लड प्रेशर भी कंट्रोल में रहता हैं। अगर आप नियमित रूप से बड़ी इलायची का सेवन करेंगे तो आपका दिल हेल्दी रहेगा। यह खून के जमने की संभावना को भी काफी हद तक कम कर देता हैं। इलायची में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट बीपी के मरीजों को हेल्दी लेवल बनाए रखने में मदद करते हैं। इलायची फाइबर का भी अच्छा स्रोत है, जो कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने में मदद कर सकता है।

मसालों की रानी होती है इलाइची

भारत में हजारों सालो से इलायची का उपयोग मसालो के रूप में किया जा रहा हैं। इलायची 2 तरह की होती हैं बड़ी और छोटी। छोटी इलायची मीठे पकवानों का स्वाद बढ़ाने का काम करती हैं। वहीं बड़ी इलायची नमकीन पकवानों के स्वाद को दुगुना करती हैं। बड़ी इलायची को काली इलायची, भूरी इलायची, लाल इलायची, नेपाली इलायची या बंगाली इलायची भी कहते हैं, इसके बीजो से कपूर जैसी सुगंध आती हैं। बड़ी इलायची छोटी इलायची से थोड़ी कम स्वादिष्ट होती हैं। यह आमतौर पर नमकीनी पकवानो में उपयोग की जाती हैं। भारत में यह सबसे ज्यादा पैदा होती हैं। भारत में पैदा की जाने वाली यह बड़ी इलायची सिर्फ एक मसाला भर नही हैं, बल्कि यह एक बढ़िया औषधि भी हैं। इसके इन्ही गुणों के कारण इसे मसालो की रानी भी कहा जाता हैं।

फेफड़े के लिए लाभदायक

बड़ी इलायची दमा के रोगियो और सांस संबंधित बीमारियों से जूझ रहे लोगों के लिए खास करके के फायदेमंद हैं। इसके नियमित सेवन से अस्थमा, कुकुर खांसी, फेफड़े का सिकूड़ना, फेफड़े की सूजन और तपेदिक (टीबी) आदि रोगो से छुटकारा पाया जा सकता हैं।

स्किन बनती है ग्लोयिंग

बड़ी इलायची के नियमित सेवन से स्किन चमकने लगती हैं। स्किन एलर्जी की समस्या में बड़ी इलायची अपने एंटी-बैक्टीरियल गुणों के कारण नेचुरल रेमेडी की तरह काम करती हैं। बड़ी इलायची में एंटी-सेपटिक और एंटी-बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं। इसमें 14 तरह के बैक्टीरिया को खत्म करने की शक्ति होती हैं। इसे खाने से बैक्टीरियल और वायरल इन्फेक्शन से बचाव होता हैं। हरी इलायची भी स्किन के लिए काफी फायदेमंद होती है। इसे चेहरे पर लगाने से कई सारी समस्याएं दूर हो जाती हैं।

पाचन दुरुस्त

बड़ी इलायची का शरीर के हाजमे पर बहुत ही अच्छा असर होता हैं। इसके सेवन से एसिडिटी की समस्या से छुटकारा मिलता हैं। इसके नियमित सेवन से गैस्ट्रिक अल्सर और दूसरी पाचन संबंधी बीमारियों का खतरा काफी कम हो जाता हैं। बड़ी एलाईच एंटी-ऑक्सिडेंट्स से भरपूर होता हैं। इसमे दो तरह के एंटी-ऑक्सिडेंट्स होते हैं, लेकिन खास तौर पर एंटी-कैंसर एंटी-ऑक्सिडेंट्स पाए जाते हैं। पाचन तंत्र को मजबूत बनाने के लिए इलायची वाला दूध का सेवन करना बहुत ही फायदेमंद माना जाता है। क्योंकि दूध और इलायची दोनों में फाइबर पाया जाता है, जो पाचन तंत्र को मजबूत बनाने में मदद करता है। साथ ही पाचन तंत्र को दुरुस्त रखता है। दूध में विटामिंस, प्रोटीन, कैल्शियम, पोटैशियम, मैग्नीशियम और फास्फोरस जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। तो वहीं इलायची में विटामिन बी-6, प्रोटीन, फाइबर, आयरन, कैल्शियम, पोटैशियम, मैग्नीशियम और नियासिन जैसे पोषक तत्व के गुण पाए जाते है, जो शरीर के लिए फायदेमंद होते हैं।

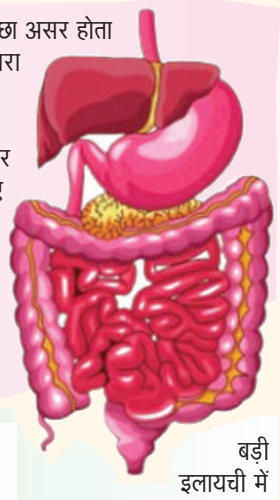

दर्द में रामबाण

बड़ी इलायची में दर्द को दूर करने की अनोखी क्षमता पाई जाती हैं। विशेषकर, सिरदर्द में तो यह रामबाण की तरह काम करती हैं। इससे तैयार किए जाने वाले खुसबूदार तेल का इस्तेमाल करने से सिरदर्द, टेंशन और थकान जैसी समस्याएं दूर हो जाती हैं। रात को सोने से पहले 4-5 छोटी इलायची को कूचकर उसे एक ग्लास पानी में मिला दें। सुबह उठकर सबसे पहले ये पानी पियें। नियमित रूप से इसके सेवन करने से जोड़ों के दर्द की परेशानी से राहत मिलती है।

बालों को मजबूत बनाता है

बड़ी इलायची के सेवन से बाल काले, घने और मजबूत बन जाते हैं। इसमे मौजूद तत्वो के कारण बालो को पोषण मिलता हैं। बड़ी इलायची बालो को मजबूत बनाती हैं। बड़ी इलायची एक बेहतरीन डेटोक्स का भी काम करती हैं। यह शरीर से विषैले (जहरीले) तत्वो को बाहर निकाल कर शरीर को सेहतमंद बनाती हैं।

गुर्दे की बीमारी में राहत

बड़ी इलायची को यूरिनरी हेल्थ के लिए अच्छा माना जाता हैं। यह एक बेहतरीन डाइयुरेटिक भी हैं। इसके सेवन से ना सिर्फ़ यूरिनेशन सही रहता हैं, बल्कि किडनी से रिलेटेड बीमारिया भी दूर रहती हैं।

हंसना मना है

फ्रेंडः यार तुम्हारी दुकान मिठाई की है, तो क्या तुम्हारा दिल नहीं करता, मिठाई खाने को? सांताः यार करता तो बहोत है, लेकिन पापा रसगुल्ले गिन के जाते है, तो.. इसलिए, चूसकर रख देता हूं।

मैं बचपन से इतना प्रतिभाशाली रहा हूं कि रिश्तेदार परीक्षा परिणाम के बाद सिर्फ इतना ही पूछते हैं, तू पास हुआ या नहीं?

सरदार अपनी बीवी के साथ टैक्सी में बैठा, ड्राइवर ने आईना सेट किया, ये देखते ही सरदारः मेरी बीवी को देखता है, तु पीछे बैठ टैक्सी मैं चलाऊंगा!

अर्ज किया है, फिजा में महकती शाम हो तुम, प्यार का पहला जाम हो तुम, और क्या कहे जानम तुम्हारे बारे में, खर्चे का दूसरा नाम हो तुम..

हम हमेशा दो लोगों के लिए अगरबत्ती लगाते है, एक भगवान के लिए, उन्हें बुलाने के लिए.. और दूसरी अगरबत्ती मच्छर के लिए, उन्हें भगाने के लिए.. पर होता उसके बिलकुल उलटा है.. भगवान आते नहीं है और, मच्छर है कि जाते नहीं है।

कहानी | मेंढक और चूहा

बहुत समय पहले की बात है, किसी घने जंगल में एक छोटा-सा जलाशय था। उसमें एक मेंढक रहा करता था। उसे एक दोस्त की तलाश थी। एक दिन उसी जलाशय के पास के एक पेड़ के नीचे से चूहा निकला। चूहे ने मेंढक को दुखी देखकर उससे पूछा, दोस्त क्या बात है तुम बहुत उदास लग रहे हो। मेंढक ने कहा, 'मेरा कोई दोस्त नहीं है, जिससे में ढेर सारी बातें कर सकूं। अपना सुख-दुख बताऊं।' इतना सुनते ही चूहे ने उछलते हुए जवाब दिया, 'अरे! आज से तुम मुझे अपना दोस्त समझो, मैं तुम्हारे साथ हर वक्त रहूंगा।' इतना सुनते ही मेंढक बेहद खुश हुआ। दोस्ती होते ही दोनों घंटों एक दूसरे से बातें करने लगे। मेंढक जलाशय से निकलकर कभी पेड़ के नीचे बने चूहे के बिल में चला जाता, तो कभी दोनों जलाशय के बाहर बैठकर काफी बातें करते। दोनों के बीच की दोस्ती दिनों-दिन काफी गहरी होती गई। चूहा और मेंढक अपने मन की बात अक्सर एक दूसरे से साझा करते थे। होते-होते मेंढक के मन में हुआ कि मैं तो अक्सर चूहे के बिल में उससे बातें करने जाता हूं, लेकिन चूहा मेरे जलाशय में कभी नहीं आता। ये सोचते-सोचते चूहे को पानी में लाने की मेंढक को एक तरकीब सूझी। चालाक मेंढक ने चूहे से कहा, 'दोस्त हमारी मित्रता बहुत गहरी हो गई है। अब हमें कुछ ऐसा करना चाहिए, जिससे एक दूसरों की याद आते ही हमें आभास हो जाए।' चूहे ने हामी भरते हुए कहा, 'हां जरूर, लेकिन हम ऐसा करेंगे क्या?' दुष्ट मेंढक फटाक से बोला, 'एक रस्सी से तुम्हारी पूंछ और मेरा एक बार पैर बांध दिया जाए, तो जैसे ही हमें एक दूसरे की याद आएगी तो हम उसे खींच लेंगे, जिससे हमें पता चल जाएगा।' चूहे को मेंढक के छल का जरा भी अंदाजा नहीं था, इसलिए भोला चूहा एकदम इसके लिए राजी हो गया। मेंढक ने जल्दी-जल्दी अपने पैर और चूहे की पूंछ को बांध दिया। इसके बाद मेंढक ने एकदम पानी में छलांग लगा ली। मेंढक खुश था, क्योंकि उसकी तरकीब काम कर गई। वहीं, जमीन पर रहने वाले चूहे की पानी में हालत खराब हो गई। कुछ देर छटपटाने के बाद चूहा मर गया। बाज आसमान में उड़ते हुए यह सब रहा था। उसने जैसे ही पानी में चूहे को तैरते हुए देखा तो बाज तुरंत उसे मुंह में दबाकर उड़ गया। दुष्ट मेंढक भी चूहे से बंधा हुआ था, इसलिए वो भी बाज के चंगुल में फंस गया। मेंढक को पहले तो समझ ही नहीं आया कि हुआ क्या। वो सोचने लगा आखिर वो आसमान में उड़ कैसे रहा है। जैसे ही उसने ऊपर देखा तो बाज को देखकर वो सहम गया। वो भगवान से अपनी जान की भीख मांगने लगा, लेकिन चूहे के साथ-साथ बाज उसे भी खा गया।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। मित्रों की सहायता कर पाएंगे। आय में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

वृषभ व्यवसाय में ध्यान देना पड़ेगा। व्यर्थ समय न गंवाएं। पूजा-पाठ में मन लगेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। जल्दबाजी से हानि संभव है। थकान रहेगी। कुसंगति से बचें।

मिथुन घर-परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

कर्क कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति निर्मित होगी। प्रेम-प्रसंग में जोखिम न लें। व्यापार में लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें।

सिंह बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। स्थायी संपत्ति से बड़ा लाभ हो सकता है।

कन्या पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा।

तुला दूर से बुरी खबर मिल सकती है। दौड़धूप अधिक होगी। बेवजह तनाव रहेगा। किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। फालतू बातों पर ध्यान न दें।

वृश्चिक कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। चिंता बनी रहेगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी।

धनु उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। बड़ा काम करने का मन बनेगा।

मकर नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति संभव है। यात्रा लाभदायक रहेगी। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। कारोबारी बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं।

कुम्भ फालतू खर्च पर नियंत्रण रखें। बजट बिगड़ेगा। कर्ज लेना पड़ सकता है। शारीरिक कष्ट से बाधा उत्पन्न होगी। लेन-देन में सावधानी रखें। आय होगी। संतुष्टि नहीं होगी।

मीन यात्रा लाभदायक रहेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। शेयर मार्केट से बड़ा लाभ हो सकता है।

मलाइका और अरबाज खान में हुई तकरार

अरबाज खान और मलाइका अरोड़ा साल 2017 में तलाक लेकर अलग हो गए थे। दोनों को शादी से एक बेटा भी है जिसका नाम है अरहान खान। हाल ही में मां-बेटे की जोड़ी एक पॉडकास्ट शो डंब बिरयानी में नजर आई थी। दोनों ने शो के दौरान जमकर एक दूसरे की पोल खोली थी। मलाइका ने इस दौरान अपने एक्स हस्बेंड अरबाज खान पर भी कुछ कमेंट्स किए थे। वहीं अब मलाइका की टिप्पणी पर अरबाज का रिएक्शन आया है।

अरहान खान के पॉडकास्ट डंब बिरयानी के दो एपिसोड आ चुके हैं। पहले एपिसोड में अरबाज अपने भाई सोहेल खान के साथ आए थे, वहीं दूसरे एपिसोड में मलाइका अरोड़ा आई थीं। इस दौरान मलाइका ने कहा था, वह जल्दी फैसले ले पाने में असमर्थ हैं। इस कमेंट के बारे में अरबाज ने कहा कि उन्होंने इस बारे में पढ़ा है और मलाइका को अपनी राय रखने का पूरा अधिकार है। उन्होंने यह भी कहा कि वह चैट दिलचस्प थी और वह किसी बात पर विवाद नहीं करना चाहते हैं। अरबाज खान ने कहा, देखिए यह एक मां और उसके बेटे के बीच की बात है। यह उनकी राय थी और मुझे ऐसा लगता है कि उनको अपनी बात रखने का पूरा हक है। हां उनको लगता होगा कि मैं कुछ पहलुओं पर निर्णय लेने में असमर्थ हूं। अरबाज ने कहा, मैंने उस इंटरव्यू को पढ़ा है, उसने यह भी कहा कि मेरे विचार बहुत स्पष्ट होते हैं, तो मैं इसे मानता हूं, लेकिन इसमें बहुत ज्यादा सोचने और सीरियस होने वाली कोई बात नहीं है।

बता दें कि डंब बिरयानी के सेशन में अरहान ने मलाइका से कई सवाल किए थे। जिनमें से एक था, अरबाज के बारे में वो बातें, जो कि मलाइका को पसंद और नापसंद थीं।

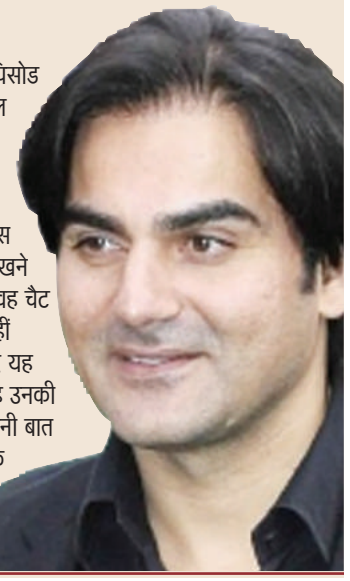

अब गोल्ड गाला लीजेंड से सम्मानित होंगे करन जौहर

करण जौहर ने अपने करियर में एक से बढ़कर एक फिल्में डायरेक्ट की हैं। अपने काम से डायरेक्टर ने दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है। इसी कड़ी में अब उन्हें एआईएमए इवेंट में डायरेक्टर ऑफ द ईयर का खिताब प्राप्त करने के बाद एक और बड़े इवेंट की तैयारी कर रहे हैं। गोल्ड हाउस ने अपने बहुप्रतीक्षित तीसरे वार्षिक गोल्ड गाला की घोषणा कर दी है। यह एशियाई प्रशांत रचनाकारों और प्रभावशाली लोगों का समर्थन करने वाला एक प्रमुख सांस्कृतिक मंच है।

शनिवार, 11 मई, 2024 को लॉस एंजिल्स शहर के प्रतिष्ठित संगीत केंद्र में आयोजित इस समारोह में सितारों का जमावड़ा लगने वाला है। गोल्ड गाला प्रभावशाली एशियाई प्रशांत और बहुसांस्कृतिक नेताओं की एक प्रमुख सभा के रूप में कार्य करता है, जो 600 से अधिक प्रतिष्ठित मेहमानों को एक साथ लाता है। इस साल के कार्यक्रम में 2024 ए100 सूची का अनावरण किया जाएगा, जो पिछले साल के दौरान एशियाई प्रशांत संस्कृति और समाज में 100 सबसे प्रभावशाली परिवर्तनकर्ताओं को सम्मानित करता है। गोल्ड गाला में फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी के निर्देशक करण जौहर को भी सम्मानित किया जाएगा। मनोरंजन इंडस्ट्री में जौहर के योगदान और उनके सांस्कृतिक प्रभाव की वजह से उन्हें प्रतिष्ठित गोल्ड लीजेंड सम्मान दिया जाएगा। गोल्ड लीजेंड ऑनर उन व्यक्तियों को दिया जाता है जिन्होंने अपने जीवनकाल में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं और अपने संबंधित क्षेत्रों में स्थायी प्रभाव डाला है। जौहर के साथ-साथ, लुसी लियू और HYBE के संस्थापक और अध्यक्ष बैंग सी-ह्युक जैसे दिग्गजों को भी यह सम्मानित सम्मान प्राप्त होगा। छह सालों के बाद, करण जौहर ने रणवीर सिंह और आलिया भट्ट की रॉकी और रानी की प्रेम कहानी के साथ निर्देशन में वापसी की।

बॉलीवुड | मन की बात

शुभ शगुन के निर्माताओं ने किया मेरा उत्पीड़न : कृष्णा

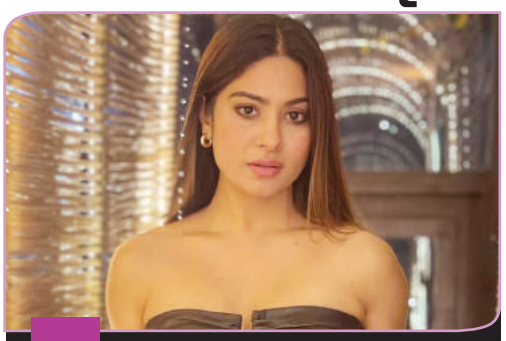

कृष्णा मुखर्जी को लेकर एक बेहद चौंकाने वाली खबर सामने आई है। एक्ट्रेस ने डेली सोप शुभ शगुन शो के निर्माताओं पर गंभीर आरोप लगाए हैं। एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर करते हुए बताया कि शो के निर्माता ने उनका उत्पीड़न किया है। यही वजह है कि वो कुछ महीनों से बीमार और परेशान चल रही हैं। कृष्णा मुखर्जी ने शुभ शगुन के निर्माता को लेकर शॉकिंग खुलासा किया है। एक्ट्रेस ने बताया कि शो पर उनका अनुभव काफी भयानक रहा है, जिस कारण वो डिप्रेशन और एंग्जाइटी से जूझ रही हैं। वो लिखती हैं- मुझमें कभी अपने दिल की बात कहने की हिम्मत नहीं थी, लेकिन मैंने फैसला किया कि अब इसे अब और अपने अंदर नहीं रखूंगी। मैं मुश्किल दौर से गुजर रही हूं और पिछला डेढ़ साल मेरे लिए बिल्कुल भी आसान नहीं था। मैं परेशान हूं और जब मैं अकेली होती हूं तो दिल खोलकर रोती हूं। ये सब तब शुरू हुआ, जब मैंने दंगल टीवी के लिए अपना आखिरी शो शुभ शगुन करना शुरू किया। ये मेरी लाइफ का सबसे बेकार फैसला था। कृष्णा कहती हैं कि उन्होंने दूसरों की बातें सुनकर ये शो करने का फैसला किया था। पर वो इसे नहीं करना चाहतीं। उन्होंने कहा- प्रोडक्शन हाउस और निर्माता कुंदन सिंह ने मुझे कई बार परेशान किया है। मैं बीमार थी और उन्होंने मुझे मेकअप रूम में ही बंद कर दिया। वो मेरे मेकअप रूम के दरवाजे को पीट रहे थे। ऐसा लगा जैसे वो इसे तोड़ देंगे, वो भी तब जब मैं कपड़े बदल रही थी। मुझे फीस भी नहीं मिल रही थी। इसलिये मैंने शूटिंग ना करने का फैसला किया। कृष्णा ने बताया कि उन्हें निर्माता से धमकियां भी मिल रही हैं। धमकियों की वजह से उन्होंने कुछ ना बोलने का फैसला किया था। एक्ट्रेस इस हादसे से इतना डर गई हैं कि अब वो दूसरे प्रोजेक्ट करने से बच रही हैं।

यहां बिक रहा 200 साल पुराना घर जो देखने में है बेहद खूबसूरत, लेकिन कोई रहना नहीं चाहता

घर की चाहत किसे नहीं होगी। लेकिन कई लोग विंटेज कारों की तरह विंटेज घरों की तलाश में रहते हैं। वे ऐसे मकान ढूंढते हैं, जिनकी डिजाइन और इंटरीरियर बेहद खास हो। ऐसे लोगों के लिए एक खास मौका आया है। एक बेहद खूबसूरत घर बिक रहा है। कीमत भी घर के हिसाब से काफी कम है। लेकिन अंदर एक ऐसा राज छिपा है कि हर कोई इसे नहीं खरीद सकता। एक रिपोर्ट के मुताबिक, घर का विज्ञापन सोशल मीडिया प्लेटफार्म रेडिट पर पोस्ट किया गया है। विवरण में लिखा है, वायर वन की गहराई में छिपा हुआ एक बेहद खूबसूरत घर। जो पत्थरों से तराशा गया है। मूल आवास 1675 का बना हुआ है। लेकिन हाल ही में इसमें कुछ विस्तार किया गया है। यह घर ओक वुडलैंड में बसा है जिसमें हर तरह की सुविधाएं मौजूद हैं। लगभग आठ एकड़ खेत भी है, जहां आप खेती कर सकते हैं। एक चारागाह भी है जहां पशुओं को चारा मिल सकता है। इस तरह की प्रॉपर्टी कभी कभार ही मार्केट में आती है। इतना खूबसूरत घर देखकर बहुत सारे लोगों ने दिलचस्पी दिखाई। क्योंकि तीन बेडरूम वाला ये घर 17 एकड़ में बना हुआ है। एक आश्चर्यजनक वुडलैंड और दो प्राकृतिक झरने भी हैं। कीमत भी सिर्फ 8.25 लाख पाउंड है, जो प्रॉपर्टी के हिसाब से बेहद कम है। लेकिन जब लोगों ने इसके अंदर की बात जानी तो कांप उठे। कई लोगों ने कहा, रात में यह जगह बेहद डरावनी लगेगी। इसके नीचे एक पिसाच बैठा हुआ है। दरअसल, इस घर के अंदर एक मरा हुआ बंदर पड़ा हुआ है, जिसे लोग हटा नहीं पा रहे हैं। इसकी वजह से यह बेहद डरावना लग रहा है। शायद इसी वजह से इसकी इतनी कम कीमत लगाई गई है। कुछ दिनों पहले ऐसा ही एक और घर बाजार में आया था, जब रियलिटी टीवी स्टार क्लो फेरी ने खुलासा किया था कि वे अपनी हवेली बेचना चाहती हैं। जब उन्होंने इसकी कीमत बताई, तो लोग और भी चकित रह गए। उनकी हवेली 1 मिलियन डॉलर की थी, लेकिन भूतों ने उन्हें इतना परेशान कर दिया था कि वे बेहद कम कीमत पर इसे बेचना चाहती थीं। 28 साल की क्लो फेरी ने 2021 में अपने सपनों का घर खरीदा था। लेकिन कुछ ही महीनों बाद उन्हें यहां डर लगने लगा। इतना भयभीत हो गईं कि अपनी मां के घर जाकर रहने लगीं। कहा-मैं अपने सपनों के घर में सुरक्षित महसूस नहीं करती। यह बहुत डरावना है।

अजब-गजब | अलास्का के जंगल में बसा है यह शहर

वो शहर, जहां एक ही छत के नीचे रहते हैं सारे लोग

जमीन के नीचे बसे शहरों के बारे में आपने बहुत सुना होगा। लेकिन आज हम आपको एक ऐसे शहर के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पूरा शहर एक ही छत के नीचे रहता है। पुलिस स्टेशन, चर्च, स्कूल, दुकान और डाकघर सबकुछ एक ही छत के नीचे मौजूद है। लोग परिवार की तरह रहते हैं और सब एक दूसरे से अपना सामान शेयर करते हैं। यहां की लाइफस्टाइल इतनी शानदार है कि देखकर आपको भी रंज हो सकता है। लेकिन यहां पहुंच पाना सबके लिए आसान नहीं है।

हम बात कर रहे अलास्का के जंगल में बसे एक छोटे से शहर की, जिसे वन रूफ सिटी के नाम से भी जाना जाता है। क्योंकि यहां रहने वाले सभी लोग एक ही इमारत में निवास करते हैं। एंकोरेज से 60 मील दक्षिण में बसे इस शहर में सिर्फ एक इमारत है, जिसमें समुदाय के सभी 217 लोग रहते हैं। वे इस इमारत को ही अपना शहर बताते हैं। इस इमारत को बेगिच टावर्स नाम दिया गया है। इन लोगों की लाइफ स्टाइल बिल्कुल अलग है। आप इस जगह पर कार या ट्रेन से नहीं पहुंच सकते। शहर तक पहुंचने के लिए आपको बंदरगाह जाना होगा। वहां से फेरी लेकर जाना होगा। यह एक डरावनी सुरंग के अंदर से निकलता है, जो रात भर बंद रहती है और सुबह 5 बजे खुलती है। एंटोन एंडरसन मेमोरियल टनल नाम की यह सुरंग उत्तरी अमेरिका की सबसे लंबी सुरंग है जो 2.5 मील तक फैली हुई है। यह इकलौता रास्ता है, जिसके जरिये आप व्हिटियर एंकोरेज शहर तक पहुंच सकते हैं। व्हिटियर के लगभग सभी निवासी बेगिच टावर्स की दीवारों के भीतर रहते हैं। वे कभी कभार ही बाहर निकलते हैं। कहते हैं कि पहले यह टॉवर सेना का बैरक हुआ करती थी। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान अमेरिकी सेना यहां से गुप्त ऑपरेशन चलाया करती थी। लेकिन 1974 में इसे आवासीय बना दिया गया। जब से इसके बारे में पता चला है, लोग इस जगह घूमने के लिए जाते हैं। वे लोग बताते हैं कि यहां नौकरी के अवसर बेहद कम हैं। यहां रहने वाले एक शख्स ने कुछ महीनों पहले इसके बारे में बताया था। उसने 1986 में व्हिटियर छोड़ दिया था। बताया था कि कैसे उसने बचपन में कोई इंटरनेट, टीवी नहीं देखा। एक रेडियो था, जिसका सिग्नल अक्सर खराब रहता था। लेकिन आज बेगिच टावर्स की विशाल 14 मंजिला इमारत में बहुत कुछ है। यहां अस्पताल है, तो थाना भी। दुकानें हैं, तो चर्च और स्कूल भी। बेगिच टावर्स में रहने वाले बच्चे एक स्कूल में पढ़ते हैं जो एक सुरंग के माध्यम से टावरों से जुड़ा हुआ है, जिसमें एक इनडोर खेल का मैदान भी है।

अडानी कनेक्स ने स्थापित किया एक और मील का पत्थर

12 हजार करोड़ का कंस्ट्रक्शन फाइनेंसिंग फ्रेमवर्क किया तैयार

4पीएम न्यूज नेटवर्क

अहमदाबाद। अडानी कनेक्स ने भारत की सबसे बड़े संस्टेनेबिलिटी लिंक्ड फाइनेंसिंग को स्थापित किया। अडानी कनेक्स ने कहा कि वित्तपोषण की प्रारंभिक प्रतिबद्धता 875 मिलियन अमेरिकी डॉलर है, जिसमें प्रतिबद्धता को 1.44 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक बढ़ाने की सुविधा है। यह लेन-देन अडानी कनेक्स के निर्माण वित्तपोषण पूल को 1.65 बिलियन अमेरिकी डॉलर (13 हजार 700 करोड़) तक ले जाता है, जो जून 2023 में निष्पादित 213 मिलियन अमेरिकी डॉलर की पहली निर्माण सुविधा पर आधारित है।

डेटा सेंटर सुविधाएं परिचालन में लेंगे मदद

आगामी डेटा सेंटर सुविधाएं परिचालन दक्षता को अनुकूलित करते हुए पारिस्थितिक पदचिह्न को कम करने के लिए अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों और नवीकरणीय ऊर्जा समाधानों को नियोजित करेंगी। अडानी कनेक्स की ओर से कहा गया कि आठ अंतरराष्ट्रीय ऋणदाताओं-आईएनजी बैंक एन.वी., इंटेसा सैनपोलो, केएफडब्ल्यू आईपीईएक्स, एमयूएफजी बैंक लिमिटेड, नेटिक्सिस, स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक, सोसाइटी जेनरल और सुमितोमो मित्सुई बैंकिंग कॉर्पोरेशन के साथ निश्चित समझौते निष्पादित किए गए हैं।

अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग भागीदारों के साथ से बढ़ा उत्साह : जनकराज

अडानी कनेक्स के सीईओ जयकुमार जनकराज ने कहा, यह सफल अभ्यास टिकाऊ और मजबूत डिजिटल बुनियादी ढांचे की स्थापना की चुनौतियों का सामना करने, मानदंडों को आगे बढ़ाने और नए उद्योग मानक स्थापित करने के लिए पार्टियों के सामूहिक संकल्प का एक प्रमाण है। निर्माण वित्तपोषण अडानी कनेक्स पूंजी प्रबंधन योजना का एक मुख्य तत्व है, जो हमें स्थिरता और पर्यावरणीय प्रबंधन में मजबूती से निहित डेटा सेंटर समाधान प्रदान करने में सक्षम बनाता है। हम अपने सम्मानित अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग भागीदारों के साथ इस यात्रा को शुरू करने में प्रसन्न हैं।

इन बैंकों ने निभाई भूमिका

आईएनजी बैंक एन.वी., इंटेसा सानपोलो, केएफडब्ल्यू आईपीईएक्स, एमयूएफजी बैंक लिमिटेड, नैटिक्सिस, स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक, सोसाइटी जेनरल और सुमितोमो मित्सुई बैंकिंग कॉर्पोरेशन ने अनिवार्य लीड अरेंजर्स के रूप में काम किया। आईएनजी बैंक एन.वी. और एमयूएफजी बैंक लिमिटेड ने स्ट्रक्चरिंग बैंक के रूप में काम किया जबकि आईएनजी बैंक एन.वी., एमयूएफजी बैंक लिमिटेड और सुमितोमो मित्सुई बैंकिंग कॉर्पोरेशन ने स्थिरता समन्वयक के रूप में काम किया। एलन और ओवरी और सराफ और पार्टनर्स उधारकर्ता के वकील थे। ऋणदाताओं के वकील मिलबैंक और सिरिल अमरचंद मंगलदास थे।

तपती गर्मी से झुलस रहा आधा भारत

बिहार-झारखंड समेत कई राज्यों में लू और बारिश का अलर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश का आधा हिस्सा इस समय प्रचंड गर्मी से परेशान है। धूप सुरज के निकलते ही अपने तेवर दिखाने लगी है। सुबह नौ बजे से ही सड़क पर सन्नाटा पसरने लगा है। लोग अब घरों से निकले में कतराने लगे हैं। बिहार, झारखंड समेत देश के लगभग आधे से अधिक हिस्से में जहां आसमान से आग बरसती आग और पश्चिमी हवा के सहारे बहती लू से लोग झुलस रहे हैं, वहीं जम्मू-कश्मीर से लेकर पूर्वोत्तर के हिमालयी क्षेत्रों में बारिश, बर्फभारी हो रही है।

उत्तर पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों को प्रचंड गर्मी से राहत को मिली है, लेकिन तेज आंधी के साथ पानी और ओलावृष्टि का सामना करना पड़ रहा है।भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और पंजाब में अगले दो दिन कुछ स्थानों पर भारी बारिश, कई स्थानों पर ओलावृष्टि और ऊंचाई वाले इलाकों में भारी हिमपात को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। हरियाणा, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, उत्तर प्रदेश, उत्तरी राजस्थान, उत्तरी और पश्चिमी मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र के विदर्भ, पश्चिम बंगाल के हिमालयी क्षेत्र, सिक्किम, अरुणाचल समेत पूर्वोत्तर के राज्यों और तटवर्ती आंध्र प्रदेश,

केरल के कुछ स्थानों और लक्षद्वीप के कुछ क्षेत्रों में कहीं हल्की तो कहीं भारी बारिश, अंधड़ और ओलावृष्टि को लेकर यलो अलर्ट जारी किया है। इनमें से कई इलाकों में रविवार को गरज के साथ बारिश हुई और कुछ स्थानों पर बिजली भी गिरी। पहाड़ों पर बर्फ गिरे।

यूपी में बढ़ेगी गर्मी

अगले पांच दिनों तक ओडिशा, गंगीय पश्चिम बंगाल, तटीय आंध्र प्रदेश, रायलसीमा और तेलंगाना के कुछ स्थानों पर अधिकतम तापमान 42-45 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। वहीं, बिहार के कई हिस्सों, झारखंड, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र के आंतरिक भाग, उत्तरी तमिलनाडु, मराठवाड़ा, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल के गंगा किनारे वाले इलाकों में अधिकतम तापमान 40-42 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है।

सरकारी जमीन पर भूमाफिया का कब्जा

अधिकारी मौन, कबाड़ से लेकर डेरी तक का चल रहा कारोबार

मो. शारिक/4पीएम

लखनऊ। रेलवे की करीब 20 करोड़ रुपए से ज्यादा की सरकारी जमीन पर भूमाफियाओं का कब्जा हो गया है। मामला राजधानी के पिपराघाट के पास का है। यहां रेलवे लाइन के पास की करीब एक लाख वर्ग मीटर जमीन पर कब्जा कर लिया गया है। इसमें बड़े स्तर पर कबाड के साथ-साथ डेयरी का संचालन किया जा रहा है। बड़ी बात यह है जमीन जी-20 सड़क के पास में है। मौजूदा समय यह राजधानी का सबसे वीआईपी मार्ग है।

ऐसे में ऐसी जगह पर कैसे इस तरह का संचालन हो रहा है ? इसका जवाब देने वाला कोई नहीं है। दरअसल, जहां पर जमीन कब्जा कर अवैध धंधे हो रहे है वहां पर चारों तरफ जंगल है। ऐसे में सामने या आस- पास से गुजर रहे लोगों को कुछ भी दिखाई भी नहीं देता है। यहां कुछ अवैध निर्माण भी हो रहे हैं। हालांकि इसको पहले ही एलडीए की तरफ से सील कर दिया गया है।

कब्जा करने वाले व्यक्ति की तरफ से करीब 10 हजार स्कवायर फीट जमीन पर अवैध खनन भी किया गया है। इसमें करीब 6 फीट तक मिट्टी निकाल ली गई है। बताया जा रहा है कि यहां तालाब बनाकर मछली पालन का प्लान था। हालांकि उसको कुछ कारणों से रोक दिया गया है। लेकिन 40 से ज्यादा छोटे बड़े- बड़े जानवरों के साथ अवैध डेरी का संचालन किया जाता है।

बिजली भी चोरी की चल रही है

वहां काम करने वाले एक कर्मचारी ने बताया कि बड़े स्तर पर वहां बिजली की चोरी भी होती है। इससे लेसा को भी करोड़ों रुपए का नुकसान हो रहा है। हालांकि उपकेंद्र के जेई और एसडीओ भी इस मामले में मूक दर्शक बने हुए है। यहां झोपड़ पट्टी बनाई गई है लेकिन उसके अंदर हर तरह की सुविधा है।

आईजीआरएस पर भी हो चुकी है शिकायत

इसकी शिकायत सीएम के आईजीआरएस पोर्टल पर भी हो चुकी है। हिमांशु श्रीवास्तव ने इसको लेकर शिकायत भी की है। इसमें बताया गया है कि अवैध काम की वजह से शहर के अंदर गंदगी फैल रही है। कबाड़ के काम की वजह से आस-पास की हवा भी दूषित होती है। हालांकि अभी तक इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं हो रही है।

चेन्नई ने चेपॉक पर दर्ज की अपनी 50वीं जीत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने अपने होम ग्राउंड एमए चिदंबरम स्टेडियम पर दमदार प्रदर्शन करते हुए सनराइजर्स हैदराबाद को 78 रनों के बड़े अंतर से हराया। चेन्नई के लिए कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने 54 गेंदों पर 98 रन की पारी खेली और डेरिल मिचेल के साथ शतकीय साझेदारी की जिसके दम पर चेन्नई ने 20 ओवर में तीन विकेट पर 212 रन बनाए।

जवाब में तेज गेंदबाज तुषार देशपांडे ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए चार विकेट झटके और हैदराबाद की पारी 18.5 ओवर में 134 रन पर ही सिमट गई। हैदराबाद के लिए एडेन मार्करम 26 गेंदों पर 32 रन बनाकर सर्वोच्च स्कोरर रहे। चेन्नई सुपर किंग्स की टीम ने अपने घरेलू मैदान चेपॉक पर अपनी 50वीं जीत दर्ज की। चेन्नई आईपीएल में किसी एक स्थान पर 50 से अधिक मैच जीतने वाली तीसरी टीम बन गई है। उससे पहले मुंबई और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम भी अपने होम ग्राउंड पर 50 से अधिक जीत दर्ज कर चुकी है।

सीएसके ने तालिका में लगाई लंबी छलांग

हैदराबाद पर बड़ी जीत से चेन्नई ने अंक तालिका में तीन स्थान की बड़ी छलांग लगाई और वह पांच जीत के साथ 10 अंक लेकर तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गई है, जबकि हैदराबाद की टीम लगातार दो हार के साथ चौथे स्थान पर है।

आरसीबी की जीत से विराट उत्साहित

गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेले गए मैच में विराट कोहली ने दमदार प्रदर्शन किया। उन्होंने इस सीजन का चौथा अर्धशतक लगाया और टीम को सीजन की तीसरी जीत भी दिलाई। मैच के बाद किंग कोहली ने उनके स्ट्राइक रेट को लेकर उठ रहे सवालों पर भी जवाब दिया। उन्होंने आलोचकों को जमकर लताड़ लगाई। आईपीएल 2024 के 45वें मैच में 32 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। गुजरात के खिलाफ उन्होंने 44 गेंदों का सामना किया और 70 रनों की नाबाद पारी खेली। इस दौरान किंग कोहली ने 159.09 के स्ट्राइक रेट से छह चौके और तीन छक्के लगाए। इसी के साथ आईपीएल 2024 में विराट कोहली के 500 रन पूरे हो गए।

राजनाथ सिंह ने दाखिल किया नामांकन, सीएम योगी-धामी भी रहे मौजूद, रोड शो में जुटी भीड़

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय रक्षा मंत्री और लखनऊ लोकसभा सीट से बीजेपी उम्मीदवार राजनाथ सिंह ने सोमवार को अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इस दौरान यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ, उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी भी मौजूद रहे। इससे पहले राजनाथ सिंह ने सीएम योगी, यूपी के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक और अन्य बीजेपी नेताओं के साथ रोड शो किया।

नामांकन के दौरान योगी आदित्यनाथ एक हाथ में कमल और दूसरे हाथ में माइक लिए कमान संभाली। जय श्रीराम, जय श्रीराम, वंदे मातरम, वंदे मातरम के नारे लगाते हुए उन्होंने जनसमुदाय की आवाज को जोड़ते हुए कहा एक बार फिर मोदी सरकार। उधर, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक रथ यात्रा पर सवार होते हुए जुलूस में शामिल सभी संगठन और संस्थाओं का धन्यवाद भी करते रहे। योगी आदित्यनाथ स्वागत करने वाले लोगों का धन्यवाद देते हुए भारत माता के जयकारे और वंदे मातरम के नारे लगाते रहे। राजनाथ सिंह के रोड शो और नामांकन को लेकर यातायात व्यवस्था सुबह सात बजे से दोपहर दो बजे तक बदली रही। सामान्य वाहन वैकल्पिक मार्ग से ही जाएंगे।

अरबपतियों के लिए सरकार चलाते हैं मोदी : राहुल गांधी

ओडिशा में पीएम मोदी व सीएम पटनायक पर बरसे

बोले- बीजद और भाजपा दोनों एक साथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कटक। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि एक ओर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी केंद्र में अरबपतियों के लिए सरकार चलाते हैं तो दूसरी ओर ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक एक ऐसी सरकार का नेतृत्व करते हैं जो केवल राज्य के ''चुनिंदा लोगों'' के लिए काम करती है।

गांधी ने कटक के सालेपुर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए दावा किया कि भले ही बीजू जनता दल (बीजद) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) एक-दूसरे के खिलाफ चुनावी लड़ाई लड़ रहे हैं, लेकिन वास्तव में वे एक साथ काम कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि इसे साझेदारी कहें या कुछ और नाम दें लेकिन बीजद और भाजपा दोनों एक साथ हैं। गांधी ने पटनायक पर निशाना साधते हुए कहा कि भले ही पटनायक मुख्यमंत्री हैं, लेकिन राज्य में बीजद सरकार उनके सहयोगी वी के पांडियन चला रहे हैं।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री मोदी और पटनायक की कथित साझेदारी पर निशाना साधते हुए कहा, ''अंकल-जी और नवीन-बाबू ने ओडिशा को पीएएएनएन दिया है, अर्थात् पांडियन, अमित शाह, नरेन्द्र मोदी और नवीन पटनायक। उन्होंने आपका धन लूट लिया है। खनन घोटाले के जरिये नौ लाख करोड़ रुपये लूटे गए। जमीन हड़पकर 20,000 करोड़ रुपये लूटे गए। पौधारोपण घोटाला 15,000 करोड़ रुपये का था। जैसे ही यहां और दिल्ली में कांग्रेस की सरकार बनेगी, हम आपको आपका पैसा वापस देना शुरू कर देंगे।' गांधी ने दावा किया कि इसी तरह, तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) भाजपा के साथ काम करती थी और कांग्रेस पार्टी ने उसे सत्ता से बाहर कर दिया।

मोदी ने आदिवासियों का अधिकार छीनकर उद्योगों को दे दिया

गांधी ने कहा, ''आदिवासी वनवासी नहीं हैं, वे आदिवासी हैं, यानी जमीन, जंगल और पानी पर पहला अधिकार उनका है। मोदी ने आदिवासियों का अधिकार छीनकर उद्योगों को दे दिया है। कांग्रेस आदिवासियों को उनका हक वापस दिलाएगी।'' उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस सत्ता में लौटी तो कृषि ऋण माफ कर देगी और सभी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) प्रदान करने हेतु एक कानूनी ढांचा भी सुनिश्चित किया जाएगा।

सरकार आते ही नौकरी पक्की

कांग्रेस नेता ने कहा, ''नवीन-बाबू ने आपको पांडियन दिया है, मैं आपको बताऊंगा कि कांग्रेस आपको क्या देगी। अगर हम केंद्र की सत्ता में आये तो पांच क्रांतिकारी कार्य करेंगे। हम सभी गरीब परिवारों की एक सूची बनाएंगे और एक परिवार से एक महिला का चयन किया जाएगा तथा हम उसके बैंक खाते में सालाना एक लाख रुपये हस्तांतरित करेंगे। यह 8,500 रुपये प्रतिमाह है। हम एक योजना लाएंगे- पहली नौकरी पक्की। डिग्री और डिप्लोमा वाले सभी बेरोजगार युवाओं को अप्रेंटिसशिप मिलेगी, हम आपको एक साल के लिए आपकी पहली नौकरी की गारंटी देंगे। यह सार्वजनिक क्षेत्र, निजी क्षेत्र, सरकारी अस्पतालों और कार्यालयों में लागू होगा।

प्रधानमंत्री ने राहुल गांधी के शब्दों को दुर्भावनापूर्ण ढंग से तोड़-मरोड़कर पेश किया : जयराम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सांप्रदायिक पूर्वाग्रहों और भावनाओं को भड़काने के लिए पार्टी नेता राहुल गांधी के हर बयान को दुर्भावनापूर्ण तरीके से तोड़-मरोड़कर पेश किया है। इससे पहले आज, कर्नाटक में एक चुनावी रैली में, पीएम मोदी ने राहुल गांधी पर भारत में राजाओं और महाराजाओं का अपमान करने लेकिन सुल्तानों, नवाबों, निज़ामों और बादशाहों द्वारा किए गए अत्याचारों पर चुप रहने का आरोप लगाया। वह राजाओं और महाराजाओं के शासन पर राहुल गांधी के हालिया बयानों का जिक्र कर रहे थे। पीएम मोदी की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए, कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री के अभियान भाषण शर्मनाक हैं और वह दयनीय होने से कहीं आगे निकल गए हैं। जयराम रमेश ने एक्स पर कहा वह (पीएम मोदी) सांप्रदायिक पूर्वाग्रहों और भावनाओं को भड़काने, उकसाने और भड़काने के लिए दुर्भावनापूर्ण और शरारती तरीके से राहुल गांधी के हर बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश करते हैं।

अपने बयानों से पद की गरिमा कम कर रहे हैं प्रधानमंत्री : अभिषेक मनु सिंघवी

कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने हाल ही में राजस्थान के बांसवाड़ा में यह दावा करके अपने पद एवं संविधान की गरिमा को गिराया है कि विपक्षी दल लोगों की संपत्ति को घुसपैठियों और अधिक बच्चे पैदा करने वालों को वितरित करेगा। सिंघवी ने आरोप लगाया कि भाजपा धन, प्रतिशोध की राजनीति और सरकारी एजेंसियों के दुरुपयोग के जरिए लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर कर रही है। कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) के सदस्य सिंघवी ने कहा, पिछले 75 वर्षों में किसी भी प्रधानमंत्री ने मिथ्या प्रचार के लिए ऐसे शब्दों का इस्तेमाल नहीं किया है जिनका उन्होंने बांसवाड़ा में और उसके बाद कई बार उपयोग किया। आप 10 साल प्रधानमंत्री रहने के बाद राजनेता के स्तर पर पहुंच गए हैं लेकिन आप ऐसी बातें करके अपने पद और संविधान की गरिमा को कम कर रहे हैं।

ममता सरकार को सुप्रीम झटका

» कोर्ट ने कहा - जारी रहेगी संदेशखाली मामले की सीबीआई जांच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकता। संदेशखाली मामले में सुप्रीम कोर्ट से पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार को कोई राहत नहीं मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने संदेशखाली में जमीन हड़पने और यौन उत्पीड़न के आरोपों की सीबीआई जांच के कलकत्ता हाई कोर्ट के निर्देश को चुनौती देने वाली पश्चिम बंगाल सरकार की याचिका पर सुनवाई टाल दी है। अदालत ने आगे लंबी कानूनी लड़ाई का संकेत देते हुए अगली सुनवाई जुलाई के लिए निर्धारित की है।

पश्चिम बंगाल सरकार ने संदेशखाली भूमि हड़पने और यौन उत्पीड़न के आरोपों की व्यापक सीबीआई जांच के लिए कलकत्ता उच्च न्यायालय के निर्देश को चुनौती देते हुए अपनी लड़ाई सुप्रीम कोर्ट ले गई है। समाचार एजेंसी एएनआई की रिपोर्ट के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पश्चिम बंगाल सरकार की याचिका पर सुनवाई जुलाई तक के लिए स्थगित कर दी। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार को एक बड़ा झटका देते हुए, कलकत्ता उच्च न्यायालय ने 10 अप्रैल के अपने फैसले में पूरी तरह से सीबीआई जांच को अनिवार्य कर दिया, साथ ही अदालत जांच की निगरानी भी करेगी।

केजरीवाल की पत्नी को नहीं मिली मुलाकात की इजाजत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। तिहाड़ जेल में बंद अरविंद केजरीवाल से मिलने के लिए उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल को भी इजाजत नहीं दी गई है। हालांकि आम आदमी पार्टी की नेता और दिल्ली सरकार में मंत्री आतिशी को मुख्यमंत्री से मिलने की इजाजत मिली है।

तिहाड़ जेल के सूत्रों की मानें तो आतिशी को अरविंद केजरीवाल से मुलाकात करने के लिए दोपहर 12.30 बजे का समय मिला है। ये मुलाकात एक सप्ताह पहले फिक्स की गई थी। इसके बाद 30 अप्रैल को अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान की अरविंद केजरीवाल के साथ मुलाकात होनी है। इस बैठक को लेकर तिहाड़ जेल प्रशासन का कहना है कि दो मुलाकात पहले से ही फिक्स की जा चुकी है। इन दोनों मुलाकातों के बाद ही सुनीता केजरीवाल को अरविंद केजरीवाल से मुलाकात करने की इजाजत मिलेगी।

छत्तीसगढ़ में पिकअप और ट्रक की भीषण टक्कर, नौ लोगों की मौत

» बेमेतरा में भीषण सड़क हादसा, सीएम ने जताया दुख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रासपुर। छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले में भीषण सड़क हादसा हुआ है। एक पिकअप वाहन और ट्रक की टक्कर हो गई। दर्दनाक हादसे में पांच महिलाओं और तीन बच्चों समेत नौ की मौत हो गई। जबकि 23 लोग घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सोमवार को पुलिस ने यह जानकारी दी। हादसे पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दुख जताया है।

वहीं दूसरी घटना स्थल पर आज सुबह दुर्ग आईजी, दुर्ग संभाग कमिश्नर, बेमेतरा एसपी व कलेक्टर ने निरीक्षण किया है। बेमेतरा-सिमगा सीमा क्षेत्र के पास कठिया गांव में हुई सड़क दुर्घटना में बेमेतरा के पथर्रा गांव के 8 लोगों के निधन एवं 20 लोगों के घायल होने की दु:खद सूचना प्राप्त हुई है। जानकारी के अनुसार, हादसा बेमेतरा थाना इलाके के कठिया गांव में पेट्रोल पंप के पास हुआ। बताया जा रहा है कि सड़क के किनारे खड़े ट्रक में पिकअप वाहन टकराने से दर्दनाक हादसा हुआ है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह दुर्घटना रविवार देर रात कठिया गांव के पास हुई, पीड़ित एक पारिवारिक समारोह में शामिल होने के बाद लौट रहे थे। हादसे का शिकार सभी लोग पथर्रा गांव के निवासी थे, तिरैया गांव में एक पारिवारिक समारोह में शामिल होने के बाद लौट रहे थे। अधिकारी ने बताया कि पिकअप वाहन सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गया। मृतकों की पहचान भूरी निषाद (50), नीरा साहू (55), गीता साहू (60), अगनिया साहू (60), खुशबू साहू (39), मधु साहू (5), रिकेश निषाद (6) और ट्विंकल निषाद (6) के रूप में हुई है। एक की पहचान बाकी है। अधिकारी ने बताया कि हादसे में घायल 23 लोगों को दो अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।